हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

8 फरवरी, 2001 (द्वितीय बैठक)

खण्ड–1 अंक–5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 8 फरवरी, 2001 (द्वितीय बैठक)

	पृश्ठ संख्या
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)1
वैक्तिक स्पश्टीकरण–	
डॉ0 रघुबीर सिंह कादयान द्वारा	(5)13
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)13
वर्श, 2000–2001 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान	
राज्यपाल के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा	(5)39
अनुपूरक अनुदानें की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(5)39

हरियाणा विधान सभा

8 फरवरी, 2001 (द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब गवर्नर एड्रैस पर चर्चा रिज्यूम होगी। श्री भाि ा रंजन परमार बोलेगे।

श्री भाि ा रंजन परमान (मुंढाल खुर्द): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै माननीय राज्यपाल महोदय, के द्वारा दिए गए अभिभाशण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हरियाणा के जननायक आदरणीय मुख्यमंत्री चौ0 ओम प्रका ा चौटाला जी ने कुरूक्षेत्र की पावन धरा पर देव वाणी संस्कृत में हरियाणा प्रदे ा का मुख्य सेवक घोशित कर मुख्य मंत्री की भापथ ग्रहण की थी। उसमें उन्होने अपरी सहृदयता दिखाई है। हरियाणा प्रदे ा में चौ0 ओम प्रका ा चौटाला ने राम की नींद और दिन का चैन छोड़कर जिस तरह जनता जनार्दन के बीच जाकर लोगों की दुख तकलीफे सुनी है वह काबिले तारीफ हैं सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम भाुरू करके सरकार ने एक मिसाल कायम की हैं हरियाणा प्रदे ा मे जो विकास कार्य काफी लम्बे अर्से से ठप्प पड़े

थे, प्रजातंत्र? का गला घोट दिया गया था, प्रदे ा में ऐसा कोई गांव या ढाणी नही है। जहां चौ0 ओम प्रका ा चौटाला जी ने सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम द्वारा विकास कार्य न कराए हों। अब मै अपने हल्के के बारे में कुछ बातें बताना चाहूंगा। पहले धर्मवीर जी कह रहे थ कि भिवानी में किवास कार्य नही हुए। मुंढाल हल्के मेंस रकार आपे द्वारा कर्यक्रम के तह मुख्यमंत्री महोदय गए थे वहां लोगां ने बौंद सब तहसली बनाने के लिए कहा जिसकों चौ0 बंसी लाल जी के समय में तोड़ा गया था। मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला ने लोगोंके एक ही इ ाारे पर वह सब–तहसील बनाने का आदे ा द`दया और आज बौंद सब–तहसील काम कर रही है, यह रिकार्ड की बात हैं इसी तरह से जो दूसरे काम है जैसे रिटेनिंग बाल, बाउंडरी वाल के, वे सारे के सारे काम इस समय भाुरू किए गए हैं मै अपने हल्के के बारे में बताना चाहूंगा कि भाई धर्मवीर जी कह रहे थे कि सड़कों पर कही कोई पैसा नही लगा। बंसी ला ने अपने पूरे तीन साल के टैन्योर के सम में कोई विकास कार्य नही किए। अब इस सरकार के एक डेढ़ साल के पीरियड़ में मेरे हल्के मे ंवे सभी विकास के कार्य हुए है। बंसी लाल के समय में सड़कों की हालत बहुत खराब थी लेकिन अब मै एक–एक सड़क के बारे में बताना चाहूंगा। जो दूसरी ग्रांटे दी गई है वे इस प्रकार है मिताथल गांव में सवा करोड रूपये आया हैं मुंढाल से चांग, एक–एक सड़क पर एक–एक सड़क पर एक–एक डेढ़–डेढ करोड रूपये खर्च किया गया है। जो दूसरी ग्रांटे दी गई है। वे इस प्रकार हैं मिताथल गांव मे ंसवा करोड़ रूपया आया हैं मुंढाल

खुर्द में डेढ़ करोड रूपया लगा हैं मेरे गावं में 70 लाख रूपये सवा साल में लगे हे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथियों को कहना चाहूंगा कि पहले तथ्यों पर विचार करें ओर सरकार ने जो विकास कार्य किए है। उनकी इनको तारीफ करनी चाहिए। इसी प्रकार पहले सड़कों की बुरी हालत थी लेकिन अब हरियाणा मे ंसड़कों का जाल बिछा हुआ है। जैसे मेरे क्षेत्र में 10 सड़कों है जिनमं से 5 बन चुकी हैं जिनमें मिताथल से बडेसरा, बडेसरा से भैणीभरों, नाथुवास से बामला आदि सड़कें हैं लेकिन मेरे विपक्ष के भाई कह रहे है कि भिवानी के साथ भेदभाव हो रहा है, आज के दिन पूरे हरियाणा प्रदे ा में कही भी चले जाये वहां सड़के बनाते समय रोडरोलर ही नजर आयेगे। इसी तरह से भिवानी जिले में चांग से खरक तक की सडत्रक एक करोड़ रूपये की लागत से बनेगी। चौधरी बंसी लाल जी ने तो अपनी तीन साल के भाासन काल के दौरान भिवानी में एक भी विकास का कार्य नही कियाा। लेकिन चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने अपने सवा साल के कार्यकाल के दौरान ही वहां पर काफी विकास कार्य कर दिये। आज हरियाणा प्रदे ा के अंदर चारों तरफ विकास ही विकास हो रहा है। जहां तक ि ाक्षा के क्षेत्र की बात है। मेरे हल्के में काफी स्कूल अपग्रेड किये गये है। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी जो नई ि ाक्षा पोलिसी भाुरू करने जा रहे है, पुराने ढर्रे को बदलना चाहते है उसके लिए मै उन्होने बधाई देता हूं। इस बारे मं चौटाला साहब का विचारहै कि नई ि ाक्षा नीति के तहत गांवों के बच्चे भी अच्छी ि ाक्षा ग्रहण करेंगे और ि ाक्षा के क्षेत्र में वे

अपने आपको कमजोर महसूस नही करेगे। तथा कंपीटी ान के युग मूं सबका मुकाबला कर सकेगे, यह बहुत अच्छी बात है। इस नीति के तहत पहली कक्षासे ही बच्चों को सरकारी स्कूल में अग्रेजी पढ़ाई जायेगी। आज का युग कम्प्यूटर का युग हैं हमारी सरकार की कोि ा ा है कि कम्पयूटर की ि ाक्षा को हर क्षेत्र में लागू किया जाए, स्कूलों में भी लागू किया जाये जिससे बच्चे को अच्छी ि ाक्षा मिलेगी और इससे नई ि ाक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात होगा। ऐसा होने से प्रदे ा का विकास भी ज्यादा होगा। पंचायती राज का वि ोश अधिकार देकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छा कार्य कया ह। गांधी जाी का सपनाथ कि पंचायतों को ज्यादा अधिकारी दिए जाए। उनको कहनाथा कि भारत गांवों में बसता है और भारत का विकास तभी होगा जब गांवों का विकास होगा और गांवों का विकास तभी होगा जब पंचातयों को वि ोश अधिकर दिए जाऐगें। ग्राम समितियों का गठन करके, उनमें हर वर्ग के प्रतिनिधि को भाामिल करके चौटाला साहब ने बहुत ही सरहानीय कार्य किया है, ग्राम समिति के अंदर हरिजन, महिला और फौजी सभी को भाामिल किया गया है। ऐसा होने से सभी लोग विकास कार्यों में रूचि लेगें ओर गांवों का विकास जल्दी होगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई कहते है। कि ग्राम समितियों में सरकार अपने ही आदमी एडजस्ट कर रही है इस बारे में मै उनको ंकहना चाहूंगा कि जनता ने ग्राम पंचायत, जिला परिशद् के चेयरमैन और समितियों के चेयरमैन इनेलों सरकार की लोकप्रियता के कारण चुने है, मै भी भिवानी पंचायत

समिति का चेयरमैन रहा हूं। पहले पंचायत के पास 25 हाजर रूप्ये खर्च करने का अधिकार दे दिया हैं और जिला परिशद् को 5 लाख रूप्ये तक के अधिकार दे दिए हैं यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री जी ने डैमोक्रेटिक सिस्टम का सुदृढ़ बनाने के लिए जन–समितियों को ये अधिकर दिये हैं जो बहुत अच्छा कमद हैं पहले कैटल फेयर फंड का 20 प्रति ारत हिस्सा सरकार के खजाने में जमा हुआ करेगा। और इस पैसे को वे प ाुओं का अस्पताल बनाने में या दूसरे विकास के कार्यो में यूज कर सकते हैं अध्यक्ष महोदय, जहां तक उ़द्योग धंधों का सवाल है, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में हरियाणा से उद्योग प्लायन कर रहे थे। और भाराब माफिया सक्रिया हो गये थे लेकिन चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी द्वारा सत्ता संभालते ही दिल्ली से ठप्प हुए 800 उद्योग हरियाणा में लगाने का उन्होने अच्छा निर्णय लिया हैं अभी थोड़े दिन पहले चौटाला साहब विदे ा गये थे वहां पर होंडा और सुजुकी जैसी कम्पनियां से 1100 करोड़ रूप्ये हरियाणामें निवेद ा करने की बात करने के बारें में बातचीत करके आए है, यह बहुत अच्छी बात हैं आज हरियाणा से और दे ा के दूसरे भागों से भी विदे ा में गये लोग हरियाणा में निवे ा करना चाहते है, यह हमारे लिए बहत ही अच्छी बात है। क्योंकि सबको पता है। कि आज के दिन हरियाणा उद्योग लगाने के लिए बहुत ही उपयोगी जगह सबकों पता है। कि आज के दिन हरियाणा प्रदे ा उद्योग लगाने के लिए बहुत ही उपयोगी जगह है यहां किसी तरह की कमी नही है। अध्यक्ष महोदय, जब से

हरियाणा प्रदे ा में चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व मं इनेलों की सरकार बनी है। तब से हमारी मुख्यमंत्री जी की एक ही सोच है कि हरियाणा की एक इंच भूमि भी प्यासी न रहे ओर उसी के अनुरू चाहे प्राकृतिक आपदा भी रही हो, यह बात सही है कि पिछले सात सालों से भाखड़ा डैम के पानी का लैवल काफी कम रहा है। उसे बावजूद भी उनकी सोच है कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचे जो कि हमारे गौरव की बात है। पिछले दिनों जो मुख्यमंत्री की बैठक हुई थी उसयमें हमारे मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी को बखूबी समझाने में कामयाब रहे कि हरियाणा प्रदे ा का जो रावी–व्यास का पानी खराब हो रह है। बेकार जा रहा है, उसके बारे में प्रधानमंत्री ने भी खुद कहा कि यह पानी खराब हो रहा है।

श्री अध्यक्षः परमान जी, अब आप वाईड अप करें।

श्री भाि ं रंजन परमारः अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र की रैली में प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने इससमस्या के समाधान का आ वासन दिया और हमारे मुख्यमंत्री जी से इस संबंध में पहल करने के लिए बोला है। हमें उम्मीद हैं क आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में इस समस्या का निदान होगा और मुख्यमत्री जी हरियाणा प्रदे ा की एक–एक इंच भूमि को पानी दिला पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, अब स्पोर्ट्स की बात आती है। खेलों को बढ़ावा दने के लिए हरियाणा प्रदे ा की

सरकार प्रयासरत है उसी के अनुरू स्पोर्ट्स नर्सरीज बनाई गई है। साढ़े आठ करोड़ रूप्ये खर्च करके हाकी के लि एस्ट्रोटर्फ बनाये जा रहे है। इसके बलावा हमारे स्पोर्टसमैन की नौकरिया में भी 3 परसै ।ट का अलग से कोटा दिया जा रहा जहां तक पुलिए भर्ती की बात है, तो जब 1996 में चौधरी बसी लाल की सरकार आई तो हमारे नौजवानों को उनसे बड़ी भारी उम्मीद थी कि उन्हें नौकरियां मिलेगी। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने मुख्यमंत्री पद की भापथ लेते ही एक आर्डर जारी करकके नौकरियों पर बैन लगा दिया जिसका कारण उन्होने आर्थिक तंगी बताया। जैसे ही चौधरी ओम प्रका चौटाला जी के नेतृत्व में सरकार बनी तो लाखों नौजवान साथियां को रोजगार के साधन मुहैया कराये गये। पुलिस भर्ती हुई जिसमें 1600 पुलिस कर्मी भर्ती किये गये। इसबात को हमारे विरोधी पक्ष के भाई भी मानते है। कि भर्ती के दौरान कितने पारदि ता बरती गई है। लोग थैलियां लेकर घूमतन रहे लेकिन उनसे थैलिया पकड़ने वाला कोई नही था।

श्री भाि ा रंजन परमानः अध्यक्ष महोदय, योग्य और कर्मठ लड़कों को निशपक्ष चयन किया गया है। इसी तरह से चाहे जे0बी0टी0 अध्यापकों की भर्ती हो या दूसरे पदों की भर्ती हो, मैरिट के आधार पर योग्यतानुसार निशपक्ष भर्ती हुई है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मै हरियाणा प्रदे ा की जनता की भावना से सम्बन्ध में ही कहना चाहूंगा। गुजरात में जो भूकम्प की भीशण त्रासदी हुई उससे निपटने में जहां हरियाणा प्रदे ा की सरकार

इस बात के लिए बधाई की पात्र हैं वहां प्रदे ा की जनता का साहयोग भी सरहानीय है। वि ो ाकर, स्पीकर साहब, आपकी अध्यक्षता में गुजरात में कमेटी गई थी ओर जिस तरह से हरियाणा प्रदे ा के लोगों और प्रदे ा की सरकार ने भूकम्प पीड़ितों की मदद करके वाह–वाही लूटी वह काबिले तारीफ है। स्वयं प्रध्ज्ञानमंत्री कुरूक्षेत्र की रैली में इस बात की तारीफ करके गये है। कि हरियाणा प्रदे ा की सरकार का गुजरात के भूकम्प राहत कार्यो में एक अहम रोल रहा है। अध्ण्क्ष महोदय, मै ज्यादा कुछ न कहते हुए दोबारा भूकम्प रहात कार्यो में एक अहम रोल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै जयादा कुछ न कहते हए दोबारा से महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का समर्थन करता हूं। जय हिन्द।

श्री अध्यक्षः कांग्रेस पार्टी की तरफ से कोई सदस्य बोलना चाहे तो बोल सकता है। भजन लाल जी, आप दोबारा से बोलना चाहे तो बोल सकते है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सदन का समय है, इनको बोलना चाहिए ओर बोलना पड़ेगा। (ाोर) हम इस बात के लिए वचनबद्ध है कि सबकों बोलने का पूरा समय देगे। (ाोर) कल भी ये भाग गये और आज भी ये उठ–उठ कर बाथरूम मे छुप जात है। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जनता द्वारा चुने हुए नुमायदें है ये थानेदार नही है कि हमारे से से ऐसे

व्यवहार करे जैसे पुलिस चोरों के साथ करती है। (ाोर) जो मैम्बर आज बोलना चाहेगा वह बोलेगा ओर जो नही बोलना चाहेगा, वह नही बोलेगा। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ये कैसे नही बोलेगे। (ाोर)

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, कुछ मैम्बर्ज बजट पर भी बोलेगे। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, वो तो आपकी मर्जी है कि बजट पर किसकों और कितना समय बोलने के लिए दें। इनकी मजर्भ थोड़ी चलेगी। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: चौधरी भजन लाल जली आप कृपा करके बैठ जाए। इस समय गवर्नर साहब के एड्रैस पर बहस चल रही है। मै चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्यां को गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने का मौका किले। (ाोर) अब श्री बलबरी पाल भााह बोलेगे।

एक आवाज: स्पीकर साहब, वे सदन में`नही है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य चन्द्र मोहन भी सदन में नही है। मांगे राम गुप्ता जी बोलना नही चाहते। ओम प्रका ा जिंदल भी हाउस में नही है। (ाोर) चौधरी भजन लाल जी अगर आपकी पार्टी का कोई मैम्बर नही बोला हो वह बोल लें। (ाोर)

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के जिन जिन माननीय सदस्यों को राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलना था वे बोल चुके हैं बाकी सदस्य जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण परनही बोले है वे बजट पर बोलेगे।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): स्पीकर साहब, जिस ढंग से आपने माननीय सदस्यों को गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने के लिए खुले मन से समय दिय उसके लिए हम आपके भाुक्रगुजार है। आपने अपोजी ान वालों को यह भ कह दिया कि गवर्नर साहब के एड्रैस पर बोलने के लिए आपका कोई मैम्बर बाकी बचा हो तो वह भी बोल ले। पालियामैंट या किसी स्टेट असैम्बली मे ऐसा कभी नही हुआ कि स्पीकर साहब अपोर्जी ान वालो को यह कहें कि जो भी मैम्बर बोलना चाहे वह बोले ओर उधरसे कह रहे है क नही नही, उनहें नही बोलना। जिस समय कांग्रेस पार्टी की सरकार हाती थी उस समय हमें बोलने नही दिया जाता था। (ाोर)

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी मीटिंग करके यह फैसला किया था कि हमारी पार्टी के कितने मैम्बर राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलेगे के लिए आपने समय दिया उसे लिए आपका धन्यवाद। हमारी पार्टी के बाकी माननीय सदस्य बजट पर बोलेंगे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी यदि आप गवर्नर एड्रैस पर बोल लेते तो क्या मै आपको बजट पर बोलने के लिए समय नही देता, यह आपने कैसे सोच लिया? अब तो गवर्नर एड्रैस पर बोलने का मौका है। इसलिए आप अपनी पार्टी के मैम्बर्ज को इस पर बोलने के लिए कहै। आपको बजट पर बोलने का मौका भी दिया जाएगां अब मै आपकी पार्टी के लिए जिन मैम्बर को बोलने के लिए काल करता हूं। यह या तो हाउस में नही है या वे बोलना नही चाहते। (ाोर)

श्री भजन लालः वे सदन से बाहर इसलिए चले गये कि वे बजट पर बोलेगे। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय चौ0 भजन लाल जी कल भी कह रहे थे कि वे चले गए लेकिन बाद मे ंवे सारे के सारे बाथरूम से निकल कर यहां आ गए। आज भी ये कह रहे है। कि वे चले गए। मै कहना हूं कि वे चले नही गए कल की तरह यही होगे। (ाोर)

श्री भजन लालः हमारे पार्टी के जिन माननीय सदस्यों को बजट पर बोलना है वे चले गए है और जिनको राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलना था, वे बोल चुके है।

प्रो0 सम्पत सिहः मै पूछ रहा हूं कि क्या आपकी तरफ से अब किसी सदस्य को बोलना है या नही। (ाोर)

श्री भजन लालः मैने आपको बता दिया है कि हमारी पार्टी के जिन माननीय सदस्यों को राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलना था वे बोल चुके बाकी बजट पर बोलेगे।

श्री कपूर चन्द (ाहबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाध्या पर बोलने के लिए समय दिया उसे लिए आपका धन्यवाद करता हूं। इस वर्श के प्रथम माह में 26 जनवरी को गुजरात में भूकम्प आया, उसमें बड़ी भारी जनसंख्या का मृत्यु काण्ड हुआ। वहां पर भी भूकम्प के कारण अनेकों बच्चे अनाथ हो गए, अनेक बहनें विधवा हो गई। अनेकों माताओं के लाल मौत के मुंह में चले गए। वहां पर असंख्या जानों को हानि हुई। वहां जनसंख्या की जो हानि हुई है। उसके जो आंकड़े आ रहे है वे बहुत ही कम है। वहां पर जितना नुक्सान हुआ बताया जा रहा है। उससे भी ज्यादा नुक्सान हुआ है। इस अससर पर हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने वहां पर जो मदद का योगदान दिया है वह बहुत ही सराहनीय है गुजरात के रापड़ तॉलुका के 19 गांव अपने जिम्मे ले करके उनके पालन–पोशण की जिम्मेवारी हरियाणा सरकार ने ली है। यह कोई मामूली बात नही हैं हरियाणा प्रदे ा की सभी धार्मिक संस्थाओं ने, इण्डियन ने ानल लोक दल व बी0जे0पी0 ने व दूसरी कई सामाजिक संस्थाओं ने गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए बढ़ चढ़ करअपना योगदान दिया है। हरियाणा सरकार के कई मंत्री और दूसरी सामाजिक स्वयं सेवी

संस्थाओं मौके पर पहुंची है और उन पीडित लोगां की अधिक से अधिक मदद करने की कोि ा ा की है। और राहत सामग्री पहुंचाई हैं यह रहात सामग्री उनकी इच्छानुसार वहां के लेागा ंको दी गई हैं इसका सारा श्रेय हमारे मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला जी को जाता है। इसके लिए जितनी इनकी सराहना की जाय वह कम है।

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जितने विकास के कार्य किए हैं उनको विपक्ष के भाई सहन नही कर पा रहे है। इनको इस सरकार द्वारा किये कार्यो को जनता पंसद कर रही है। अध्यक्ष महोदय, 23 नवम्बर, 99 को भााहबाद में खुला दरबार लगा था जिसमें मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौआला जी गये थै। उस समय ये वहां पर जितनी भी घोशणाएं करक`आये थे तकरीबन सभी की सभी पूरी हो चुकी है। जब हम चुनाव के दौरान गांव–गांव गये तो वहां पर देख ागया कि कही पर हरिजनहां की चौपालों का तो कही पर बाल्मिकी चौपालों का कार्य कर रही है। उसकी जितनी भी सरहाना की जाये वह कम है। इस सरे काम के लिए बी0 जे0 पी0 व इण्डियन ने ानल लोकदल की गठबंधन सकरार को श्रेय जाता है। इस सरकार ने थोडे से अरसे में ऐसा काम करके कदखा यिा जिसे 40 वर्श कांग्रेस की सरकार नही कर पायी थी। (ाोर एवं विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये भाई बीच में बोल रहे है। मुझे इनके बारे में एक दृश्टांत याद आ गया। आप सीाी को पता हैं कि पले सती की प्रथा थी। जब राजा–महाराजा लड़ाई पर जाते

थे और मारे जाते थे तो उनकी रानियां सती हो जाती थी। वे सती अपनी आन–बान भाान के के कारण होती थभ। इसी प्रकार से एक बार वहां सतियों का ऐ मेला लगा हुआ थ। वहां पर बच्चे खु ाी से बांसुरी आदि खरीद रहे थे। वहां पर जलेला नाम की एक औरत भी रहती थी। जब मेले से लेाग/महिलाएं आ रही थी तो जलेला पूछने लगी कि ये औरतें कहां से आ रही है। तो उसे बताया गया कि ये सभी सती के मेलसे से आ रही है। उस जलेला से कसी की खु ाी या प्यान नही देखा जाता था। वह कहने लगी कि ये सती क्यो हती है तो उसे बताया गया क जब इनके पति भाहरीद हा`जात है तो ये भी अपन आन–बान के लिए सती हो जाती है। इस पर वह कहने लगी कि य तो एक बातरसती होती जबकि मै दिन में 36 बारसती होती हूं। यादिन कहने का मतलब यह है कि जिस प्रकार से उस जलेला से किसी को की खु ाी नही देखी जाती थभ उसी प्रकार से हमारे इन विरोधी भाईयों के इस प्रकार सरकार के लिए गये विकास के कार्य खु ाी से नही देखे जा रहे। (ाोर एवं विध्न) चौधरी भजन लाल जी पहले आपभी हमारे ही साथ थे, वबाद मे आप फिर कांग्रेस में चले गये। हमने जो सीख सीखी है वह आपसे ही सीखी है।

हमारा हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए कृशि नीति को बनाय और कृशि नीति के तहत जमीदारों के लिए क्रेडिट कार्ड बनाने का काम भाुरू किया गया ओर काफी कार्ड बन चुके है। इन कार्डो से जमींदारो ंको

बड़ा भारी लाभ हैं उस कोर्ड के माध्यम से बैंक से लोन ले सकते है। इतना ही नही अपनी फसल को वेयर हाउस मे ंरख कर वहां से भी पैसा ले सकते है और आढ़तियों के ब्याज से बच सकते है क्योंकि वेयर हाउस के कम ब्याज पर उनको अपना पैसा मिलेाग। अपना पैसा होगा, अपनी चीज होगी और अपना काम होगा। यह छोटी बात नही हैं अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, इतनी ही बात नही है। हम कार खरीदते है तो उसका बीमा करवाते है, कोई फैक्टरी लगाते है। तो उसका बीमा करवाते है, कोई इंडस्ट्री लगाते है तो उसका बीमा करवाते है। किन्तु जमीदार की फसल जो नीले आसमान के नीचे हरी–भरी खड़ी है जो कि जमीदार की एक साल की मेहनत है उसका बीमा नही करवाते। अरे भाई यदि भगवान की कृदृश्टि हो जाए ओर औलावृश्टि हो जाए, तीव्र वर्शा हो जाए या तीव्र हवा चले तो उससे जमीदार का बड़ा भारी नुक्सान होता है। जमींदारा उस नुक्सान को बर्दा ात नही कर सकता है। क्योंकि सालभर उसको आ ाा लगी हुई होती है कि मेरी फसल आएगी तो मै घर के काम करूंगा और साथी लड़की की भाादी करूंगा किन्तु अगर उसी फसल ठीक न हो तो उसकी सारी आ ाांए धरी–धराई रह जाती है। इसके लिए हमारी सरकार ने हमारे प्रदे ा में फसल बीमा योजना लागू की हैं जो कि अत्यन्त प्र ांसनीय और सराहनीय हैं अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा प्रणाली के विशय पर मेरे से पूर्व वक्ताओं ने बहुत कुछ कहा ओर विस्तार से कहा। ि ाक्षा एक ऐसी चीज है। जिसके ऊपर हमारा पूरा ध्यान होना चाहिए। ि ाक्षा के बारे में यह कहा गया है कि–

रूप यौवना सम्पन्ना, वि ाकुल सम्भवः

विद्याहीन न सोभन्नती निर्गन्ध निकंचकः

मतलब यह है कि बिना विद्या के मनुश्य भाोभा नही देता है कितनी भी धूल में बच्चा रहे, कितना ही सुन्दर हो, कितना ही बलवान हो, कितना ही योद्धा हो कलेकिन विद्या के बिना उसकी कोई कदर नही होती है। इसलिए विद्या की ओर ध्यान देना नितान्त आव यक हैं भाास्त्रों में भी लिखा हैः—

न स्वर्ण दानम न चन्द्र दानम, न रौपै दानम न रहम दानम

सर्व दानम सो विद्या दानम

अर्थात सबसे बड़ा दान विद्या का दान हैं स्कूलों के माध्यम से जो कमियों है। वे हमे दूर करनी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है है कि प्रत्येक स्कूल में पूरा स्टाफ और अध्यापक हेाने चाहिएं ओर हर विशय का ध्यान दीजिए। पढ़ाई के साथ ही कई खामियों भी आ गई है ंहमारे देश्ज्ञ में जब लोग अनपढ़ थे तो लोगों में चरित्र था। आज जितनी विद्या बढ़ रही है उतना ही चरित्र समाप्त होता जा रहा है। हम आज प्रदूशण की तरफ ध्यान दे रहे है लेकिन हमारे समाज में जो प्रदूशण आ रहा है उसकी ओर हमार कोई ध्यान नही है कि दिन प्रतिदिन हमारा पतन क्यों होता जा रहा है, चरित्र हीनता इसका कारण है। इस ओर भी हमें ध्यान देना चाहिए और ि ाक्षा के माध्यम से व्यक्ति

को चरित्रवान बनाने का कार्य हम करसकते है और समाज में एक जागृति ला सकत है। अध्यक्ष महोदय, जिला कुरूक्षेत्र हरियाणा के सब जिलों में अन्न के उत्पादन में सबसे अग्रसर हैं हमारे यहां इतना अनाज पैदा होता हैं कि अनाज रखने के लिए हमारेपास भण्डरों की कमी हो रही हैं हमारे भाई कहते है। कि बिजली नही है, पानी नही है किन्तु इस वर्श इतना अन्न पैदा हुआ कि हमारे पास रखने के लिए भण्डार नही है जहां हम उस अन्न का रख सकें। कृशि प्रधान दे ा होने के नाते सरकार का कृशि की ओर वि ोश ध्यान है ओर दिन–प्रति दिन हमारी कृशि पैदावार बढ़ती जा रही है तथा इमसें हम सफल हुए हैं अध्यक्ष महोदय, मैने महामहिम राज्चाल महोदय के अभिभाशण को पढ़ा है और मेरा सुझाव है कि जो बिजली जमींदारों को फिक्स रेट पर दे रहे है वैसे तो वह ठीक है अगर मीटर लगा देगे तो हमारे जमीदार बिजली का खर्चा बर्दा ात नही कर पाएंगे ओर क्षीण हो जाएंगे इसमें थोड़े सुधार की आव यकता है। मेरा सुझाव है कि जहां तक हो सके इसमे ंसुधार किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै अपने क्षेत्र की समस्याएं यहां हाउस में रखना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी आप भाार्ट में बोले और दो मिनट में कन्कलूड करें।

श्री कपूर चन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, भााहबाद क्षेत्र डिस्ट्रिक्ट कुरूक्षेत्र में पड़ता है। इसमें लगभग 23 गांव बाढ ग्रसत हैं प्रति वर्श वर्शा के दिनों में इन गांवों में जानमाल को काफी

नुक्सान हेाता है। ये गांव लण्डी, दऊ माजरा, क्लयाणी, गरपुर, भोरीपुर, हत्थाहड़ी, भूकरमाजरा, नहन माजरा,सुलखनी,रायपुर, नहर मजारा और असीनी गाजरा हैं अगर वहां पर बांध बन्द रहता है तो ये गांव डूबते है और अगर बांध को खालेत है तो ढोर, बसंतपुर, विजडऋुपर, मनफरी, ढौला माजरा, अचवर, बावकपुर और भाान्ति नगर डूबते है। इस बारे में मै पहे भी दो तीन बार कह चुका हूं। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुराधेा है कि वर्शा के सीजन से पहले इस बारे में कोई प्रबन्ध करें। अध्यक्ष महोदय, वां पर एक जनसूई ड्रेन हैं उसको साफ करवा कर वहां का पानी जनसूई हैड में डाल दे ंतो उन इलाकों को बज्ञढत्र से बचाया जासकता है। इसके अलावा भााहबाद में गन्दे पानी की भी समस्या है। वहां से गन्दे पानी की निकासी होनी आव यक है। वहां के गांव बन्द पानी से बुरी तरह ग्रस्त है। वहां पर 1300 फीट नाला तो बन चुका है ओर 2000 फीट नाला बनने से रह गया हैं मै मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि बरसात के आने से पहले इस काम को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए इस बोर में मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि बरसात के आने से पहले इस काम को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए इस बारे में मुख्यमंत्री जी ने भी आ वासन दिया हुआ है। यह जल्दी बन जाएगा। अध्यक्षम होदय, मौढत्री ग्रांम हैं जहां से जिला कुरूक्षेत्र आरम्भ होत है, समालखा से लेकर छोड़पुर तक को दो किलोमीटर का ही फालसला है लेकिन वहां पर जाने के लिए आठ किलोमीटर होकर जाना पड़ता है। अगर दो किलोमीटर सड़क का टुकड़ा बन जाए तो लोगो ंके वहां पर जाने के लिए काफी समय बच

जाएगा। इसके अलावा मोढी गांव के पास पुल बन जाए तो वहां पर भी बच्चों को काफी सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, भोरगढ़ ओर टबड़ा दोनों ही पंचायत में है। भोरगढ़ से टबडत्रा जाने के लिए 12 किलोमीटर होकर जाना पड़ता है। लकिन इनके बीच में दो किलोमीटर का टुकडा है। और अगर इस दो किलोमीटर के टुकड़े पर सड़क बन जाए तो वहां पर पहुंचने के लिए रास्ते में काफी फर्क पड़ेगा। मेरा एक बार फिर मुख्यमंत्री जी से निवदन है कि इन सबा जल्दी से जल्दी समाधान करें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः श्री रघुबरी सिंह कादयान जी अब आप बोले ओर अपनी स्पीच को 10 मिनट में कन्कलूड करें।

डॉ0 रघुबीर सिंक कादयान (बेरी): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझ महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैने इससे पहले भ कई बार बीच–बची में बोलने की कोि ा ा की ओर आपसे प्वायंट आफ आर्डर पर भी बोलने की इजाजत मांगी लेकिन आपने मुझे परमि ान नही दी। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै। यह कहना चाहूंगा कि आज सुबह से जिस ढंग से यह सदन चल रहा है। अगर कोई मैम्बर बोल रहा होताहैं तो लोग बैठे–बैठे रनिंग कमैट्री देते है। सदन के नेता भी बैठे–बैठे कमैन्टस दे रहे है। मेरी मं ाा किसी की आत्मा को दुखाने की नही है। लेकिन जिस ढंग से सदन चलना चहिए वह भाायद नही चल पा रहीाह ैं स्पीकर सर, आपकी काबिलियत चारों

तरफ बढ़िया है। और आपका हाउस चालने का तरीका भी बढ़िया ह। इसलि मै आपसे कहना चाहूंगा कि इन बातो ंसे सदन का समय नश्ट होत है। यहां पर 90 के 90 विधायक अपनी काबलियत से जीतकर आए हैं ऐसा नही है क किसी पार्टी की वजह से वह जीत कर आत हैं अगर ऐसाहोता हाते एक ही पार्टी के सारे विधायक चुनकर आ जाते। लकिन ऐसा नही है। इनमें से कुछ की अपनी काबलियत है, कुछ का अपना जनाधार है इसलिए ये लोग अपने रसूक से, अपने हिसाब से यहां चुनकर आ जते है। लेकिन ऐसा नही है। स्पीकर सर, मेरी आपसे प्रार्थना ळ िकइस सदन के हमारे सभी सम्मानित साथी इस बात का ध्यान रखें क वे एक–दूसरे की जरूरत का भी ध्यान रखें अगर ऐसा होगा तो इससे सदन का समय भी बच जाएगा और ठीक सुझाव भी सदन में आ सकेगे। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक हैं कांस्टीच्ये ानल ओबलिगे ान के कारण राज्यपाल जी ने अपना अभिभाशण यहां पर पढ़ा। ये रूल्ज भी है। कि उस समय सभी मैम्बज्र को चुपचाप उनका अभिभाशण सुनना चाहिए वरना उनके खिलाफ कंटैम्प्ट भा सकता है। मेने उस समय राज्यपाल जी से से केवल इतना ही कहा था कि राज्यपाल जी , इस अभिभाशण में हरियाणा की सरकार ने कुछ ऐसी बातें लिखकर आपको पढ़ने के लिए दी हैं जो असत्य है। अब मै आपको बताऊंगा कि यह असतय बातें कौनसी है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले इस अभिभाशण में सरकार ने कहा है कि गुजरात के लोगों का दिन उसने जीत लिया है और उसके रहात कार्यो में किए गए कार्यो के कारण उसी भूरि–भूरि

प्र ांसा हुई है। यह मानवता का तकाजा भी है। कि दे ा या प्रदे ा में ऐसी तकलीफे या ऐसी नैयूरल क्लैमिटीज आएं तो सबका यह फर्ज बनता है। और मोरल डयूटीज भी बनती है। कि ऐसी आपदाओं के समय, एसी तकलीफों के समय वे सब मदद करें। उस संकट में हमाी सरकार की तरफ से भ मदद हुई य ठीक है। कि यह बढ़िया हुआ। स्पीकर सर, आप भ वहां पर गये थे और आपने भी वहां पर सारा कुछ देखा। इस अभिभाशण में कही पर भी एक जगह यह में ा नही किया गया है कि कितनी सामाजिक संस्थाओं ने इस गुजरात की आपदा के समय सरकार की मदद की या गुजरात के लोगों की मदद की है और कितना पैसा कहां से आया, कितनी सामाजिक संस्थाओं ने इमसमें कंट्रीव्यूटट किया? अध्यक्ष महोदय, ऐसे–ऐसे भी गरीब लोगों ने अपनी जेब स `पैसे निकालकर दिए है। जिनके पास अपने बच्चों की स्कूल कीफ फीस भरते के लिए पैसे नही है। परन्तु उनका सही पर जिकर नही कियागया है। इसके अलावा मैै आपके माध्यम से अर्ज करना चाहूंगा क अभिभाशण में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के बारेमें भी कहा गया है। 'सरकार आपके द्वार' जो कार्यक्रम है पता नही इसका मकसद क्या है। मै इस विशय में एक ही बात कहना चाहूंगा कि हरियाणा की सरकार अगर पीने के पानी की समस्या खती के पिानी की समस्या, रोडज की समस्या और बिजली की समस्या यानी इन चार समस्याओं को यहां चंडीगढ़ में हल कर दे ंतो 95 फीसदी समस्साएं हमारे इस प्रदे ा की दूर हो जाएंगी।

मेरे हल्के में बिजली की, दूसरी नहरी पानी की और तीसरे पीने की समस्या है। स्पीकर साहब, मै आपसे अर्ज करूं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम पर कितना खर्च लगता है, कितना टी0 ए0 बनता है और इसमें कितनी सक्सेस है। इन सभी बातों को देखना चाहिए मैं आपको 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के बारे में बताऊ। मेरे हल्के में इस प्रोग्राम में जितने वायदे हुएथे उसमें से 20 फीसदी वायदे भी पूरे नही हुए। मुख्यमंत्री जी चाहे तो रिकार्ड देख ले। मैं यह बात विधान सभा में कह रहा हूं। और बड़ी जिम्मेदारी के साथ याह बात कह रहा हूं। जब इन्होने दूसरी बार 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की डेट तय की होगी अब डी0सी0 और एस0पी0 के पास चिट्ठी जा रही है। कि कौन सी मांग पूरी नही हुई है, उनके ऊपर काम हो। अध्यक्ष महोदय, मै आपके सामने अर्ज करूं कि कंक्रीट नोट इस बारे में तैयार किया जाए कि सरकार को कितना पैसा खर्च हो रहा हैं और कितने मांगे मानी जा रही है। अैर जो मांगे पूरी हो रही है वह यहां रह कर पूरी हा सकती है या नही?

डॉ0 बि ान लाल सैनीः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य से जानना चाहता हूं कि यहां बार बार 'सरकार आपके द्वार' का जिक्र हो रहा हैं इनकी पार्टी की तरफ से एक प्रोग्राम चलाया गया था 'विपक्ष आपक समक्ष'। उस प्रोग्राम के तह इनकी पार्टी के अध्यक्ष 6

तारीख को झज्जर मे गए ता वहां पर एक समस्या भी ले कर उनके सामने कोई नही आया।

डॉ0 रघुबरी सिंह कादयानः स्पीकर सर, राज्यपाल महोदयय के अभिभाशण में एग्रीकल्चर के बारे में चर्चा हुई थी और यहां पर बड़ी देर से इस बात की भी चर्चा हो रही है कि यह सरकार किसानों की हितैशी सरकार है। कई तरह के ब्यान आये और सदन में भी चर्चा हुई तो मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जैसा उनहोने कहा कि जीरी की प्रिक्योरमैंट 60 हजार टन हुई और पिछली सरकार के समय ये टोटल 46 हजार टन की हुई थी तो उस समय तो प्रिक्योरमैंट ऐजेसीज थी नही क्योंकि मार्किट में पैडी काभाव ज्यादा था, खरीदने वाले ज्यादा थे (विध्न) वित्त मंत्री जी, आप बड़े समझदार आमी हैं, काबिल आदमी है लेकिन आपकी ऐसपिरे ांज दबी पड़ी हैं अध्यक्ष महोदय, मै अर्ज कर रहा था कि सदन के नेता ने जैसा कहा इसमें ाकेई दो राय नही है ंकिसान को समर्थन मूल्य से नीचे बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा था। जब प्रिक्योरमैंट ऐजेंसीज ने ढेरी को सब स्टैडर्ड कह कर या मॉइ चर कह कर या कोई और कारण बतारक कैसिल कर लिदया और जब भााम हो गई तो क्योंकि किसान दूसरे दिन के लिए रूक नही सकता था इसलिए उस ढेरी को कम मूल्या पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ास था। जब प्रिक्योर मैं ऐजेसीज ने ढंरी का सब स्टैंर्ड कह कर या मॉइ चर क कर या कोई और करण बता कर कैंसिल कर दिय और जब

भााम हो गई तो क्योंकि किसान दूसरे दिन के लिए रूक नही सकता था इसलिए उस ढेरी को कम मूल्य पर बेचने के लिए वह मजबूर हो गया, मै ऐलीगे ान नही लगा रहा हूं। कि आप कहते है कि हम फेस करेगे। आपने रसूख और काबलियत के कारण आप यहां बैठे हैं जैसा आपने कहा कि कि अैक्स फ्री बजट है, टैक्स फ्री बजट तो ठीक था लकिन उसके बाद टैक्स लगाये और जिस ढंग से जनता की पीठ पर वार हुआ उसको माननीय मुख्यमंत्री जी को मानना पड़ेगा क्योंकि जो सही बातहै वह तोसही ही है। ऐसी हालत मं जो सिच्यूए ान हुई है उसे आपको फेस करना पड़ेगा। Face the facts squarely otherwise. The facts will stab in the back यह तो चाहे आपकी सरकार हो या हमारी, सबको इस बात का सामना करना पड़ेगा। मोटे तौर पर इस बात को यह मानना चाहिए कि किसान की जीरी जो पिटी हैं इसके बारे में हमारी साथी इस बात को जानते है कि जीरी चाहे सब स्टैण्डर्ड के नाम से पिटी है इसके बारे में हमारी साथी इस बात को जानते है कि जीरी चाहे सब स्टैण्डर्ड के नाम से पिटी हो या दूसरे नाम से परन्तु यह बात सही है कि जीरी में किसानों की पिटाई हुई है ंयह ठीक है कि जिस ढंग से गेहूं की प्राक्योमैंट हुई वह कुछ नि चत समय तक सही समर्थन मूल्य से गेहू की खरीद हुई। लेकिन राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में गेहूं के समर्थन मूलय की चर्चा नही है। कोई भी मिनीमम स्पोर्ट प्राइस की बात नही की गई है। मैने इस बारे में मे एक रेजोल्यू ान भी दिया था। वह रेजोल्यू ान इसलिए टल गया क्योंकि उस दिन को

आपने आफि ियल दिन में कंवर्ट कर दिया अैर गेहूं की मिनीमम स्पोर्ट प्राईस बट्टे खाते में चली गई।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: चौधरी भजन लाल जी ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किये थे बी0ए0सी0 की मीटिंग में।

श्री भजन लाल: जवाब तो सुन ले क्या इनको रेजोल्यू ान आ सकता था।

डॉ0 रघुबरी सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, मै इस बात की रूलिंग चाहता हूं कि क्या इस सदन में कोई आदमी बैककर बात कर सता है या नही।

श्री अध्यक्ष: नही जी, नही कर सकता यह अ ाोभनीय है।

डॉ0 रघुबीर सिह कादयान: स्पीक सर, मै आपके माध्यम से कह रहा हूं की एग्रीकल्चर प्राइस कमी ान की जो रिपोर्ट है। (विध्न)

सरदार नि ाान सिंह: स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै इस बात के लिए माननीय साथी को थोड़ा सा बताना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी के सभी साथ्झी सिर्फ एक बात को लेकर बोल रहे है। कि धान की प्रोक्योमैंट नही हुई या धान की खरीद सही नही हुई। क्या चौधरी भजन लाल जी इनको यही पढ़ाकर लाये है कि उनकोयाही बात बोलनी है?

स्पीकर सर, चाहे राजस्थान हो, चाहे दिल्ली हो या उत्तर प्रदे ा हो इन सभी राज्यों से ज्यादा धान की खरीद हरियाणा प्रदे ा में हुई है। इन सभी राज्यों से धान हरियाणा में आकर बिकी है क्योकि यहां धान की खरी इनती बढ़िया तरीके से कराई गई। इसके इलावा किसानों को भी से काफी लाभ हुआ है। स्पीकर सर, केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री जी ने खुद आकर मननीय मुख्यमंत्री जी को पैकेज दिया हैं इस बात से राइस मिल मालिक भी खु ाहाल है और किसान भी खु ाहाल है और किसान भी खु ाहाल है।

डॉ0 रघुबरी सिंह कादयानः स्पीकर सर, यह तो कोई प्वायंट आफ आर्डर ननही था। इस सदन में 90 विधायक बैठे हुए हैं

श्री अध्यक्षः कादयान जी आप पांच मिनट में कन्कलूड कीजिए।

नगर एवं ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आडर है कि क्या कोई सदस्य अपने आप इस बात का फैसला कर सकता है कि यह प्वायंट ऑफ आर्डर है या नही? इसका फैसला तो आप कर सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सम्पत सिंह जी को कहना चाहता हूं क ये कॉल एण्ड

भाकधर की किताब ले रहे थे। अब रूल्ज देखकर बताएं (ाोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): अध्यक्ष महोदय, मै बताना नही चाहता हूं लेकिन डा0 साहब कह रहे है इसलिए मै बता देता हूं। डा0 साहब पढ़े लिखे, पी0एच0डी0 और डा0 भी है। ये मर्यादो और कॉल एण्ड भाकधर की किताब की बात करते हैं जब महामहिम राज्यपाल महोदय अभिभाशण पढ रहे थे, उस समय इनकी मर्यादा कहा चली गई थी? मै इनको असम्बली के रूल्ज पढ़कर सुना देता हूं। चैप्टर 5 में लिखा है। It is regarding Governor's Address and communication between Governor and Assembly. In Rule 17 it is mentioned—

"Observation of order during Governor's Address-No Member shall interrupt the Governor....."

श्री दरिया सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये मर्यादा की बात करते है, जिस समय इनके खिलाफ हिसार में पंखे चोरी करने का केस दर्ज हुआ थ, उस समय इनकी मर्यादा कहा गई थी?

श्री जय प्रका ाः * * * * *

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी जो कुछ कह रहे है रिकार्ड न किया जाए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यावंट आफ आर्डर हैं इस हाउस का मजाक बनाया जा रहा है, राज्यपाल महोदय द्वारा

अभिभाशण को पढ़े हुए तीन दिन हो गए है ये उसी प्वायंट को लेकर खड़े हो जाते है और हाउस कासमय खराब कर रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, यह तो हाउस ने नेात की और स्पीकर साहब की जिन्दादिली है। कि इनके मैम्बर ने हाउस की अवहेलना की है उसे बावजूद भी वे हाउस में बैइे हुए हैं इनकी सरकार के समय में तो हमें नेम कर दिया जाता था।

श्री अध्यक्षः आप दोनो बैठें।

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मर्यादा की बात की है, इसलिए मै इन्हें रूल 17 फिर से पढ़कर सुना रहा हूं:–

It is mentioned in this Rule that-

"No members shall interruupt the Governor when he is addressing the House; or display any placard; or shout any slogans; or make any protest; or raise any point of order, debate or discussion or otherwise wilfully disrupt the proceedings, immediately preceding or during or immediately following the Governor's Address under Article 176(1) of the constion, and the commission of any of the above lapses shall be treated as contempt of the House and dealt with as such under these rules."

स्पीकर सर, डाक्टर कादयान जी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के समय को इन्ट्र ान की है इससे फालतू और

क्या होगा? यह हाउस की कंटैमप्ट कोई भी एक ान नही लिया। जबकि मेरे विपक्ष के भाई जिस समय सत्ता में थे उस समय ये हमें नेम करवा दिया करते थे लेकिन हम ऐसा नही करेगे। जैसे मेरे विप ा के भाई प्रोवोक करते थे हम वैसा नही करेगें। हम रूल्ज के हिसार से हाउस को चला रहे है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये तो सब जानते है। कि रूल्ज के हिसार से हाउस चल रहा है या नही।

डॉ० रघुबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि यदि किसी को बहुमत मिल जाये तो उसका नाजायज फायदा नही उठाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, आप पांच मिनट में समाप्त करें।

डॉ० रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, प्रो0 सम्पत सिंह जी एक काबिल इंसान है, जिस समय इन्होने राजनीति भाुरू की थी उस समय इनके ड्राईग रूप मे ंरेत पडा होता था और अब इनके पास बड़ी–बडी कोटियों है।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, आप किसी की घरेलू बातें ने करें और महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलें।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

डा० रघुबीर सिंह कादयान द्वारा–

डा0 रघुबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलनते हुए अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान भी देना चाहूंगा। अभी माननीय सदस्य दरिया सिंह जी ने हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय से एक पंखा चोरी होने की बात उठाई। इस बारे में मै हाउस को बताना चाहूंगा कि इस हाउस को तो नही पता लेकिन प्रो0 संपत सिंह जी को पता पता है कि इस वि ववविद्यालय के लिए मैने बहुत लड़ाई लड़ी है। जिस समय पंजब और हरियाणा अलग–अलग हुए थे उउस समय यह यूनिवर्सिटी इकट्ठी थी और इस यूनिवर्सिटी का फाईनैस का मामला पंजाब के पास था और इसको बाईफ्रकेट करवाने के लिए मैने बहुत संघर्श किया। अध्यखम होदय, इस यूनिवर्सिटी की नवी हमारे खून पर टिकी हुई है। इस यूनिवर्सिटी का फाईनैस का मामला पंजाब के पास था और इसकों बाईफ्रेकेट करवाने के लिए मैने बहुत संघर्श किया। अध्यक्ष महोदय, इस यूनिवर्सिटी की नीव हमारे खून पर टिकी हुई हैं इस यूनिवर्सिटी को बाईफ्रकेट करने की लड़ाई लड़ते हुए मेरे सिर से खून की धार निकली थी। उस समय मै इस यूनिवर्सिटी का तीन बार प्रधान रहा था। इस यूनिवर्सिटी के लिए यदि बड़ी से बड़ी कुर्बानी देनी पड़ी तो मैं देने के लिए तैयार हूं। दरिया सिंह जी ने बात उठाई है मै यह नही कहना चाहता कि यह बात कहां से आई।

श्री अध्यक्षः डॉ0 साहब, प्लीज गवर्नर एड्रैस पर बोले।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, पर्सनर एक्सप्लेन ान पर तो बोल ही सकता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) दरिया सिंह जी कह रहे थे कि मेरे खिलाफ पंखा चुराने की एफ0आई0आर0 दर्ज हुई है। इसबारे में कहना चाहूंगा कि यदि मेरे खिलाफ कोई भी एफ0आई0आर0 आज तक दर्ज हुई हो तो मुझे यह सदन जो सजा देना चाहे दे सकता है। मै कोई घड़ियों का या जूतों का सौदागर नही हूं। कि मेरे खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, आपका समय समाप्त हो गया है। आप बैठ जाए।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहाब, आप पहले रूलिंग पार्टी के माननीय सदस्यों को कहें कि वे भाांत रहें। (ाोर)

डा0 रघुबरी सिंह कादयानः स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है। इसलिए मुझे बोलने दिया जाए। आप मेरी बात सुनें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपको बेलने हुए बहुत समय हो गया है इसलिए आप बैठ जाएं। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए आप पांच मिनट का समय और

दे दें। (ाोर) ये माननीय सदस्य भी दो लाख लोगों के नुमायंदे है इनको अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नही, उनको बोलने का समय समाप्त हो गया है। अब मांगे राम गुप्ता जी बोलेगे। (ाोर)

डा0 रघुबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * (ाोर)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य जो कुछ कह रहे है। वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै सदन के विपक्ष के नेता से वि ोश रूप से एक बात कहूंगा कि अपोजी ान के माननीय सदस्यों को बोलने के लिए स्पीकर साहब ने बड़ी फिराखदिली से समय दिया हैं भाायद ऐसी मिसाल कही और देखने को नही मिलेगी। सदन के सम्मानित सदस्य श्री कादयान जी 35 मिनट से ज्यादा बोल रहे है। इनके पास तथ्यों पर आधिरित कोई बात कहने को नही है ये वैसे ही सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं अगर इनके पास तथ्यों पर आधारित कोई बात है तो वह कहें लेकिन इनके पास ऐसी कोई बात कहने का नही है। आज मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर हुई बहस का उत्तर भी देना है। अब आपने दूसरे माननीय सदस्य को बोलने के लिए काल कर लिया है। इसलिए उनको बोलने

दिया। कादयान जी पढ़े लिखे है, बुद्धिमान है, मगर उनको बुद्धिमानी से बदपरहेजी है तो हम क्या करें। (ाोर)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, * * * * * * * * *(ाोर)

श्री अध्यक्षः कादयान जी की कोई बात रिकार्ड ने की जाए। कादयान जी, अब आप बैठ जाएं। आगे जब फिर बोलने का मौका आएगा तो आपको समय देने के बारे में सोच लेगे। अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेगे। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्षम होदय, सदन की यह प्रथा रही है कि जो मैम्बर बोल रहा हो उसको अपनी कंकल्यूड करने के लिए स्पीकर साहब की तरफ से बची में कहा जाता है। कि आप अपनी बात दो मिनट में कंकल्यूड करें और बाकायदा स्पीकर साहब उसके लिए पहले घंटी बजाते है। इसलिए न अपने घंटी बजाई और न ही आपने माननीय सदस्य को अपनी बात दो मिनट में कंकलयूड करने के लिए कहा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैने बीच में इनको वार्न किया था कि आप अपनी बात कंकल्यूड करें। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने मानीय सदस्य को अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए कहा। आप चाहें तो रिकार्ड चैक कर ले।। आपने ऐसा नही कहा। इसलिए मेरी आपसे विनती है हिक आप माननीय सदस्य को बोलने के लिए पांच मिनट

का समय और दे दें ताक वे अपनी बात कंकल्यूड कर सकें। अगर वे पांच मिनट में अपनी बात खन्त नही करते है तेा आप उन्हें बोलने से बंद कर देना। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नही, अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेगें। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, पहले आप इन दोनों का मामला निपटाएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अगर आपको नही बोलना है तो बताएं। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, इस तरह के माहौल में how can I speak? (ाोर)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, अगर आपको बोलना है तो आप अपनी बात भाुरू करे। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, क्या ऐसे माहौल में बोलने का कोई फायदा है? (ाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप बाद मे ंबोल लेना। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीस सदस्य कादयान जी का आधा समय तो रूलिंग पार्टी के महानुभावों द्वारा बीच में टोका टाकी करने से खराब हो गया। (ाोर)

श्री अध्यक्षः वे 35 मिनट बोले हैं अगर बीच में टोका टाकी के कारण इनका पांच मिनट का समय खराब हो ग्या तो ये 30 मिनट तो आराम से बोल चुके है। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप उनको अपनी बात कंकल्यूड करने के लिए दो मिनट का टाईम दे दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है कादयान जी आपनी बात दो मिनट में कंकल्यूड करें।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहबा, जहां तक बिजली की बात हैं चाहे हमारी सरकार आए चाहे इनकी सरकार आए बिजली की जनपरे ान बढ़ाने के लिए बजट का जो क्वांटम है, बजट का जो अमाउंट है वह तो उसी हिसाब से खर्च होगा। अगर बजट के हिसाब से और सरकारी खजाने के हिसाब से कोई बात पूरी नही हो सकती तो वह ठीक गात हैं स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से एक बात कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी की ओर से बिजली के बारे में और नहरी पानी के बारें में कुछ वायदे किए गए थे। लेकिन मुख्य मंत्री जी ने नहरी पानी का आबियाना बढ़ा दिया। बिजली की जनरे ान बढ़ाने के लिए आपने इधर–उधर से गांट लेनी थी वह आपकी कम्पल ांज थी, वह अलग बात हैं बिजली रेट बढ़ाने के साथ साथ कोई भी पोलिटिकल आदमी जनता के विरोध में नही चलता। लेकिन आज की हरियाणा सरकार, चाहे कोई छोटा व्यापारी है, चाहे कोई दुकानदार है, चाहे कोई

कर्मचारी है, चाहे किसान है बिजली के बारें में बहुत दु:खी है। उनको बिजली बिल्कुल नही मिलरही है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अगर ऐसा होता रहा है और लोग इस सरकार से दु:खी होते रहे तो इनकी बहुत बुरी हालत होगी। अगर बिजली के बारे में लोग इसी तरह से परे ाान रहे तो जैसे इस बात बार चौधरी बंसी लाल जी को दो सीटें आई वैसी ही अगर इनकी भी दो सीट न आ जाएं तो हम विधान सभा छोड़ कर अपने घर चले जाएंगे। मुख्य मंत्री जी, आप इस सीट पर नही होगे। इस सीट पर दूसरे लोग होगे। स्पीकर साहब, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है। आज लोगों के घरों में बहन बेटियों का कोई ख्याल नही रखा जाता हैं राम को चार–चार मलंग लौगों के घरों में घुस जात`है पता नही वे बिजली वाले होते है या पुलिस वाले होते है, घर में घुस कर बिजली का मीटर चैक करने लग जाते हैं स्पीकर साहब, एक हमारा साथी है जब उसके घर में राम को चार मलंग गए तो वह हमारा साथी अपनी जनानी से बोल कि वह पिस्तोल तो निकाल कर ला, वह आज इस्तेमाल भी नही हुआ लोग कहते है कि नलकली हो गया हें उसकी जनानी वह पिस्तौल निकाल कर लाई और बोली ले इसको इस्तेमा करके देख ले। उन चारों मलंगों में से वहां पर एक भी नही रहा। सारे के सारे भाग गए। अगर मुख्य मंत्री जी चाहते है कि इस बारै में ि ाकायत करें तो मै कहूंगा कि ऐसा सारे हरियाणा में हो रहा है।

श्री अध्यक्षः कौन सा नेता था?

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः वह इनैलों का नेता था। अध्यक्ष महोदय, घरों के मीटरों की जो चैकिग की जाती है। उसका सरकार की तरफ से कोई क्राईटेरिया फिक्स किया जाए और चैकिंग से पहले लोगों को सूचित किया जाए कि फलां दिन 50 घरों को या इतने घरों के मीटरों का चैक किया जाएगा। इस बारे मे ंपिक एण्ड चूज की पॉलिसी नही अपनानी चाहिए। पिक एझउ चूज की पॉलिसी से ही लोग झगड़ा करने पर उतारू हो जाते है। हम यह नही कहते की चैक ने करें। चैक अव यक करों चोरी करना पाप हैं और इस चोरी को रोकने के लिए सरकार की भी जिम्मेवारी बनती है। लेकिन पिक एण्ड चूज की नीति न अपनाई जाऐ।

अध्यक्ष महोदय, अब मै कानून व्यवस्था की बात पर अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। हो सकता है। कि कोई और सरकार होती तो उस वक्त भी ऐसे हालात पैदा हो सकते थे। सरकार के सामने हो सकता है कि समिति साधनों के कारण पुलिस और पब्लिक की रे ाों के हिसाब से पुलिस फोर्स न हो लेकिन जो हमारे पास साधन है या मौजूदा फोर्स है उसके हिसाब से ही हमें काम तो इन लोगों से लेना ही पड़ेगा ताकि आम जनता अपने आपकों सुरक्षित महसूस कर सकें। हो सकता है। कि हैवज औ हैवल नॉट की वजह से या दारूबंदी की वजह से क्राईम बढ़ें हो या कोई और कारण रहा हो। हमारे

हरियाणा में क्रिमिनल केस बढ़ने की वजह से क्राईम बढ़े हो या कोई और कारण रहा हो। हमारे हरियाणा में क्रिमिनल केस बढ़ने का जो मै सबसे बड़ा कारण समझता हूं वह मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा। हमारा हरियाणा प्रदे ा दिल्ली के तीन तरफ लगता हैं दिल्ली की संस्कृति का हामरे प्रदे ा पर बहत अधिक असर पड़ रहा हैं यहां की इन्फ्रास्ट्रक्चैर, एजूके ान और टेलीविजन आदि का भी व वैस्ट्रन कल्चर का प्रभाव भी हामरे इलाके पर पड़ा हैं इस बारे में मेरा आपके मायध्यम से निवेदन है कि दिल्ली एक कैपिटल रीजन है। इसके लिए कोई स्पे ाल पॉलिसी बना कर युवाओं को ठीक दि ाा जब तक नही दी जायेगी तब तक मामला सुधरेगा नही। यदि ऐसा नही किया गया तो मामला इतना बिगड जाएगा कि हमारा और आप लोगों को रहना भी मु कल हो जाऐगा। (ाोर एवं विध्न) आप समय नही दे रहे तो मै बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्षः कादयान साहबा, आपका समय समाप्त हो गया हैं अब आप बैठ जाए। अब श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेगे।

श्री मांगे राम गुप्ता (जीन्द): अध्यक्ष महोदय, 5 तारीख को इस सदन में महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाशण दिया था। अध्यक्ष महोदय, जब कल हाउस की कार्यवाही समय पर भाुरू हुई तो उस वक्त हामरे लीडर ने इस अभिभाशण पर बोलने वाले विधायकों के नाम आप द्वारा मांगने पर आपकों दिए थे। आप द्वारा नाम मांगे जाने पर (अभिभाशण पर बोलने वाले विधायकों

के) जो विधायक अभिभाशण पर बोलना चाहते थे, आपके उन साथियों के नाम समय पर दे दिए थे। हमारे लीडर ने जो नाम दिए थे उसके हिसाब से आपने टाईम एलॉट किया। मुझे एक बात तो यह समझ मे ंनही आयी कि जब आपने हमारी पार्टी की स्टैग्थ के हिसाब से समय दिया था और हमने भी यह बात दिया था कि हमारे इनते विधायक इस अभिभाशण पर बोलना चाहेंगे। जब कोई विधायक हमारा बोलना चाहता हो तो उसे आप कहते है कि बैठ जाओ, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री अध्यक्षः आपको बोलने के लिए 15 मिनट का समय दियागया है। उसके बाद आपको बैइने के लिए कहा जाएगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि 15 मिनट तोक्या अगर आप आदे ा दे तो मैं 15 सैकण्ड में बैठने के लिए तैयार हूं।

श्री अध्यक्षः वह तो दिखाई ही पड़ रहा है। लग रहा है कि आप बैठेगे ही।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै तो हर समय बैठने को तैयार हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि स्टूडैंड की पढ़ाई का एक साल के बाद इम्तिहान होता है और सालाना इम्तिहान के बाद रिजल्ट से पता चलता है कि उसने कितनी पढ़ाई की है। किताबों का ढेर लागा रहे है और मांग–बाप को गुमराह करता रहे तो उससे कोई लाभ नही हैं इसी तरह से राजनैतिक लेागों की

कामयाबी का जो आधार है वह विधान सभा में भाशण देने से नही या मुख्य मंत्री जी की बड़ाई करने से नही या अध्यक्ष महोय, की सराहना से नही है। अध्यख महोदय, उसकी परीक्षा हमे ाा चुनाव से होती हैं हरियाणा का इतिहास तो मै 1977 से देख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मै देख रहा हूं कि 1977 में इस पार्टी के मुख्य मंत्री चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी के पिता आदरणीय चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बनें (विध्न) मेरे ख्याल से उस समय इनके 82 विधायक थे और 1987 में भाायद 85 विधायक थे इसी सदन में मैने खूब देखा हुआ है उस वक्त भी मै विरोधी पक्ष में बैठा करता था इसी प्रकार से बजट अभिभाशण पर इसी सदन के अन्दर जहां चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी मुख्य मंत्री बैइे हुए है वहां पर चौधरी देवी लाल जी बैठते थे। उस वक्त भी गवर्नर एड्रैस पर इसी तरह से विधायक मुख्य मंत्री को खु ा करने के लिए बोलनते थे। वे सोचते थ्ज्ञे कि वह मुख्य मंत्री हमे ाा रहेगे जब तक हरियाणा का नाम रहेगा या हिन्दुस्तान रहेगा तब तक ये अमर रहेंगे और मुख्य मंत्री के पद से ये हट नही सकते है।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप गवर्नर एड्रैस पर बोले।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै तो बजट पर बोलना चाहता था लेकिन आपने इस वक्त बुलवा दिया हैं (विध्न)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप इस समय किसी रैली में नही खड़े है। आप मुद्दे की बात करें। (विध्न)

नगर एवं ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी 1991 से 1996 तक वित्त मंत्री थेऔर मेरेा मौसा श्री टेक राम जी का निधन हो गया था। चौधरी टेक राम की तेरहवी थी। उनकी तेरहवी के बाद मै हाउस में आया। माननीय विरोधी पक्ष के नेता को किसी बात पर नाराज हो कर चौधरी भजन लाल जी ने हाउस से निकाल दिया था। मैने यहां हाउस में केवल इतनी बात कही थी कि मामला क्या है (विध्न) इस बात को आप देख सकते है। आप चाहे तो रिकार्ड मंगवा कर देख लों। मैने केवल पूछा था कि मामला क्या है तोा इसी बात पर मुझे नेम कर दिया गया था। गुपता जी, आप वे दिन भी यार करें जब विरोधी पक्ष के साथ ज्यादतियो हुई थी। हमारे माननीय स्पीकर साहब, ने तो ऐसी कोई बात नही की (विध्न) आपने अपने समय में जो किया है वह आप याद करें। (विध्न) हम कोई गलत काम या ज्यादती तो नही कर रहे है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः दान सिंह जी, आप अपनी सीट पर जाएं। (विध्न) आप कहां खड़े है आप अपनी सीट पर जाए। गुप्ता जी, आप अपनी बात कहें। यहां बड़ा अच्छा माहौल बना हुआ था। (विध्न)

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। पेज 59 पर रूल नं0 112 के सब रूल 3 पर प्वायंट्य आफ आर्ड` बारें में यह लिखा है–

"(3) Subject to conditions referred to in sub-rules (1) and (2) a members may formulate a point of order and the speaker shall decide whether the point raised is a point of order and, if so, give his decision thereon, which shall be final."

आज और कल दो दिन से जब भी हमारा कोई विधायक बोलते हुए स्ट्रीम पकड़ रहा हाहेता है तो कभी चौधरी धीरपाल जी खड़े हो जात`है और कभी चौधरी सम्पत सिंह जी खड़े हो जाते है। और कभी और कोई * * * * * * * * * * खड़ा हो जाता है।

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप भी तो बची में खड़े हो कर बोल रहे है। (विध्न)

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो आपकी इजाजत से खड़ा हुआ हूं और प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। में केवल इतना जानना चाहता हूं कि प्वायंट आफ आर्डर पर आपकी क्या रूलिंग है?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलते वक इनको यह छूट मिली हुई है। कि हाउस के सम्मानित सदस्यों को * * * * * * * * * कहेगे। ये एक अच्छे सीजण्ड पोलिटीि ायन है इनको सीमा में रहना चाहिए।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्वायंट का अभी तक जवाब नही आया है। मै प्वायंट आफ आर्डर रेज करते हुए यह

चाहता हूं कि जो चौधरी धीरपाल सिंह जी ने प्वायंट ऑफ आर्डर करके बार–बार इण्टरवीन किया है क्या वह उचित था या नही था, आप यह जवाब दीजिए।

श्री अध्यक्षः हां, उचित था।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मांगे राम जी अभिभाशण से बाहर जा रहे थे तो मैने आपसे अनुमति लेकर उनको यह बताने की कोि ा ा की थी आप 1991–96 तक के समय को भी याद करें उस समय को भूले नही। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए।। भजन लाल जी आप अपने मैम्बर्ज को समझाये। (ाोर एवं व्यवधान) मांगे राम जी आप भाुरू करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि इन्होने प्वायंट आफ आर्डर लेकर मुण्े जो बात समझाने की कोि ा ा की है तो मै इनको हय बताना चाहूंगा कि जितने समय हाउस चलता है मै मैक्सीमम हाउस में बैठता हूं। जब हाउस की कार्यवाही भाुरू होती है तो जल्दी से जल्दी सदन में आने की कोि ा ा करता हूं और जब सदन की कार्यवाही समाप्त होती है तो जल्दी से जल्दी सदन से जाने की कोि ा ा करता हूं। मै ऐसा कोई भाब्द कहने की कोि ा ा नही करता हूं जिसकी वजह से किसी माननीय सदस्य को कोई ठेस पहुंचे या अध्यक्ष महोदय को मुझे नेम करना पड़े। हम जो भी

कहते है वह ठीक बात कहते हैं हम जनता के बची में जाते है और जनता ने हमें चुन कर भेजा हुआ है। और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर चलते है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर दोनो तरफ से बहुत चर्चा हुई। स्वाभाविक ही है कि ट्रेजरी बैंचिज वाले इसकी सरहाना करेगे और उनको करनी भी चाहिए लेकिन विरोधी पक्ष सदउन में इसलिए बैठता है कि वह सरकार को यह बातउसं कि जो ये कर रहे है क्या उससे जनता खु ा है या नही? मै एक बात कहना चाहूंगा कि प्रजातंत्र में ट्रेजरी बैचिज वाले इसकी सरहाना करेगे और उनको करनी भी चाहिए लेनिक विरोधी पक्ष सदन में इसलिए बैठता है कि वह सरकार को यह बताएं कि जोये कह रहे हैय उससे जनता खु ा है या नही? मै एक बात कहना चाहूंगा कि प्रजातंत्र में ट्रेजरी बैचिज को विरोधी पक्ष के लोगों की बात को ध्यान से सुनना चाहिए। यह बात अलग है कि उस सदन में अमल करें या न कों क्योंकि यह राजनैतिक बात हैं लेकिन अगर ये उन अच्छी बातों पर अमल न करके पोलिटिकल फायदा लेना चाहते है तेा इनकी मर्जी लेकिन बाद में इनको भुगतना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बंसी लाल जी की बहुत चर्चा हो रही थी। बंसी लाल जी ने हरियाणा में 10–12 साल के बाद राज कैसे ले लिया। इन्होने जनता की नब्ज को पकड़ा। इन्होने देखा कि हरियाणा के लोग भाराब से दु:खी है इन्होने कह दिया कि अगर मेरा राज होगा तो मै 24 घंटे में भाराब बंद कर दूंगा, दूसरा प्रयास होगा वौबीस घंटे बिजली देने का, तीसारा प्रया होगा एस0 वाई0 एल0

कैनाल का पानी लाना और चौथा प्रयास होगा गंगा का पानी हरियाणा में लाना। एस0 वाई0 एल0 का पानी तो पंजाब वालों ने नही दिया। अध्यक्ष महोदय, गंगा का पानी पीनें में बहुत बढ़िया होता है और लोग नहाने के लिए भी हरिद्वार जाते हैं अगर हरियाणा के खेतों में गंगा का पानी आ जाता तो इससे बढिया और कोई बात ही नही है। इसी कारण लोगोंने हनकी इन बातों को समझते हुए नइको सत्ता में ला दिया। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने एक काम तो आते ही सबसे बढ़िया कर दिया कि भाराब बंदी का आर्डर कर दिया। लेकिन हुआ क्या? आठ सौ करोड़ रूपये का साल काप्रदे ा को नुक्सान हो गया और भासराब जहां पले ठेकों पर मिलती थी वही बात में जगह–जगह प्याऊ लग गये। चाय की दुकान पर पनवाड?त्री की दुकान पर भाराब मिलने लगी, हेाम डिलीवरी भाराब की होनी लगी और भाराब का ऐसा माफिया हरियाणा में हो गया जिससे लोग त्राहि–त्राहि करने लगे। बंसी लाल जी गंगा के पानी लाने की बात या 24 घंटे बिजली देने की बात भूल गये जिसके कारण लोगों में इनकी सरकार के प्रति गुस्सा बढ़द्य गया और इसी कारण इनके अपने विधायकों ने मजबूर होकर इनका ाथ छोड़कर ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार बनवायी। मै चौटाला साहब को इसबात के लिए बधाई देता हूं कि उनहोने जे उस समय यह कहा कि मेरी सकरार लगड़ी है इसमें मेरे साथ वह विधायक है जिन्होने बंसी लाल जी का साथ छोड़ा है। ये मुण्े काम नही करने देते। इन्होने उसके बाद से दिलेरी से विधान सभा भंग कर दी और दोबारा चुनाव करवाए। नारे लगाने

मेंभी माहिर है। इसलिए इन्होने भी चुनाव से पहले दो तीन नारे दिए। जिन किसानों के ऊपर पचास हजार, एक लाख या दो लाख रूपये के बिजली के बिल आठ दस सालों के बकाया थे उनको इन्होने यह कहा कि आप बिजली के बिल मत भरो। जब मै राज में आऊंगा तो बिजली पानी के बिल माफ कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, किसान के लिए बिजली और पानी बहुत जरूरी है इसके अलावा किसान को उसकी फसल के अच्छे भाव भी मिलने चाहिए। ये कहते थे कि मेरी सरकार के समय किसानों को अच्छे भाव फसलों के दिए जाएंगे। इसी तरह से प्रदे ा के दूसरे नागरिको ंसे इन्होने कह दिया कि बंसी लाल जी के समय मे टैक्स भाराबबंदी की आड़ में लगाए गए थे उनको मै हटा दूंगा। जैसे आज चन्द्र भाटिया जी ने भी माना कि भाराबबंदी की आड़ में टैक्स लगे थे।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, हमने तो इनका उस समय विरोध भी बहुत किया था जैसे ही हमारी पार्टी ने उस समय सरकार से समर्थन वापस लिया उसके तुरन्त बाद कांग्रेस पार्टी ने उस सरकार को समर्थन दे दिया।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने उन टैक्सों को हटाने की बात कही थी। इसी कारण उस समय व्यापारी और किसान वर्ग इनसे खु ा हो गया। गरीब मजदूरों को इन्होने यह कह दिया कि हम आपकों रोजगार देगे इसलिए वे भी इनसे खु ा हो गया। गरीब मजदूरों को इन्होने यह कह दिया कि

हम आपको रोजगार देगे इसलिए वे भी इनसे खु ा हो गये। इसके बाद हरियाणा के लागों ने चौटाला साहब की सरकार बना दी। मै एक फैसले के लिए तो चौटाला साहब को मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि उनहोने बी0 जे0 पी0 वालों की रड़क काढने की खातिर चुगी मांग करने का फैसला ले लिया। लेकिन उसे बादूसरे औरटैक्स लगा दिए गए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके इस बारेमें भाड़ पर दाने भूनने वाला किस्सा सुनता हूं एक आदमी जब भाड़ पर एक किलों दानें भूनने के लिए ले जाता था तो वहां पर एक किलों दाने मे ंसे सौ ग्राम की चुंगी निकल लिया करते थे। इसलिए इन्होने तो चुंगी की जगह चुंगा लाग दिया जिसका जिकर मै बजट पर जब आप मुझे बोलने के लिए मौका देगे तक करूंगा। ये टैक्स हटाना भूल गये। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला ने चौधरी बंसी लाल द्वारा लगाए गए टैक्सों को हटाने के बारे में बार–बार सीाी मअह पर कहा लेकिन इन्होने उन टैक्सों को हटाने की बजाय गरीब मोची की दुकान पर टैक्स लाग दिए और छोटे–छोटे हलवाई है उनमे ऊपर भी एक भट्ठी पर नौ हजार रूपये सालाना टैक्स लगा दिया। एक भट्ठभ पर नौ हजार रूपयेे सालाना टैक्स बहुत ज्यादा है, इनकी लिस्ट मैं आपको बाद में दिखा दूंगा। आप इन दोनो पर लगाए गए टैक्सों को हटाने के बारे में जल्दी से जल्दी कोई न कोई फैसला करें। पानी की जहा तक बात है आज आप कहते हे कि क्या करें भगवान की मर्जी है, इसमं कोई क्या कर सकता है।

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी अब आप वाइंड अप करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, पहले नहरों मे पानी महीने में तीन हफ्ते चलता था और उसका आबियाना 30 रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से आया करता था लेकिन अब नहरों में महीने में एक हफ्तें पानी आता है। और आबियाना 30 रूपये की बजाए 60 रूपये प्रति एकड़ कर दिया गया है, तो मै जानना चाहता हूं की बारि ा तो भगवान की मर्जी पर निर्भर है लेकिन आबियाना न बढ़ाना तो आपके हाथ में था, वह आपने क्यों बढ़ाया, किसी एडवाइज्री से बढ़ाया? इसको सरकार घटा भी सकती थी, माफ भी कर सकती थी। माफ कर देते तो सरकार का वायदा भी पूरा हो जाता और किसान का भी भला हो जाता। अगर मै गलती पर नही हूं तेा इस सरकार को बनाने में सबसे बड़ा हाथ किसान का है और कल जींद में किसान यूनियन का एक सम्मेलन हुआ उसके बारे में अध्यक्ष महोदय, आप जानकर हैरान होगें कि आज अगर कोई पोलिटिकल आदमी जलसा करता है तो लोग उसका भाशण सुनना नही चाहते लेकिन किसान यूनियन का सम्मेलन सुबह 11 बजे भाुरू हुआ ओर रात के 8 बजे तक चलता रहा, उस सम्मेलन में किसानों के हजारों ट्रैक्टर गए। किसान वहां धरना देकर बैठ गए थे और कह रहे थ कि हम तबत कयहां रहेगे जब तक सरकार का कोई डचचधिकारी यहां आकर हमारी बात नही मानेगा। अगर हमारी बात नही सुनी गई तो कल से हम रेल और बसों का रास्ता रोग देंगे। रात को आठ बजे सी0

एम0 साहब से बात करके वहां के ए0डी0सी0 उस सम्मेलन में पहुंचे और उन्होने किसानों को बड़ा भारी आ वासन दिया तब किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त किया। अध्यक्ष महोदय, यह बात किसान कह रहे है मै नही कर रहा हूं और ये आज के अखबार में लिखा है इनैलो–भाजपा विधायकों को गांव में नही घुसने देगे। यदि किसानों की मांग सरकार पूरी नही करती तो हरियाणा के इनैलों–भाजपा के विधायकों व एम0 पीज0 का किसान गांव मे ंनही घुसने देगे।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप जल्दी वाइंड अप कीजिए।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आपने बिना तैयारी के बोलने के लिए कह दिया है हम तो बजट परबोलने की तैयारी मे ंथे हमें तो आपने बजट पर बुलवाना था।

श्री अध्यक्षः आप पानी पीजिए गुप्ता जी, आपको तो विधान सभा मे ंपानी मिल गया।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बड़ी अच्छी बात है मेरे को तो पानी मिल गया लेकिनफौजी तो जेल में रहा। कहता था बाहर पानी मिलता। पानी की खातिर जेल में रहा।

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, ऐसा लग रहा है कि मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी होा, क्योंकि ओम प्रका ा चौटाला की तरफ कोई देख ही नही रहा हैं

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आखिर सही बात को सोचकर चलना चाहिए। मै भिवानी की रैली की बात नही कहता। भिवानी की रैली में इतनी बड़ी गैदरिंग इसलिए हुई कि आज हरियाणा के लोग इस सरकार से दुखी हो गये है।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप रैली की बात छोड़िये।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र में आदरणीय प्रधानमंत्री जी की रैली हुई। पहले नरवाना कांस्टीच्यूएंसी में माननीय मुख्यमंत्री जी ग्रेवैसिज कमेटी की मीटिंग में जाते थे ते एस0 ई0 और एक्सियन इनके साथ होते थे। जब पंचायत के लोग सरपंच आदि अपनी मांगों की लिस्ट लेकर मुख्यमंत्री जी से मिलते थे तो मुख्यमंत्री जी एस0ई0 और एक्सियन से कहते थे कि वे लोगों से पूछे कि इनके कितने बिजली के बिल पैडिंग है। अगर किसी पंचायत का बिजली का बिल ज्यादा पैडिंग होता तो मुख्यमंत्री जी उनसे कहते कि जाओं भाग जाओ यहां से जब बिजली के बिल भर दो तब आपनी मागों को लेकर आना। परन्तु 6 तारीख से पहले चीफ मिनिस्टर महोदय, नरवाना और जींद के गांवो में गये तो कहने लगे कि मै तो चीफ मिनिस्टर बनकर नही आया मै तो अपने भाईचारे में आया हूं टूटी खाद दे देा, बासी लासी पिला, गाड़ी मांग लो यह बाते उन्होने इसलिए कही क्योंकि 6 तारीख को रैली में लोगों को इकट्ठा करना था। 6 तारीख को माननीय प्रधान मंत्री जी आये हजारों घंटे बजाये,

भोला बाबा, भोले भण्डारी कुछ तो दो लेकिन भोले भण्डारी ने इन्हें कुछ नही दिया।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी आप बैठिये।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात कहने में कोई संकोच नही करता कि पोलिटिकल बातें करने से कुछ लाभ होगा मेरी सोच तो यह रहती है कि हमारे हल्के के लोगों को लाभ मिले। अध्यक्ष महोदय, मै आपके ध्यान मे एक बात लाना चाहता हू कि पोलिटिकल इंट्रस्ट के काम करने के लिए अभी काफी समय हें आपने टैक्सों की इतनी भरार कर दी है कि चाहे व्यापारी हो या किसान हों या गरीब आदमी हों सभी टैक्सों की भरमार से दुःखी है।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप बैठिए।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हूं कि जो आदमी बिजल का बिल भरताहै, हाउस टैक्स भरता है फिरभी उसको इस टैक्स भरने का कोई फायदा नही पहुंचता हैं आज मंत्री जी बैठे हुए है आप सर्वे रिपोर्ट मंगवा ले कि नगरपालिकाओं के टैक्स कितने बाकी है। अगर इसके बाद भी टैक्स जनता पर ठोक दिये जाएं तो इतना अन्याया लोगो के साथ आज यह सरकार कर रही है। इन्ही भाब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री जी गवर्नर महोदय के एड्रैस पर रिप्लाई देगे।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर कल से लगातार चर्चा हो रही है। और हरियाणा बनने के बादयह पहला अवसर है कि आपने सदन के सदस्यों को राज्यपाल के अभिभाशण पर इतने खुले दिन से बोलने कासमय दिया। कल निरन्तर साढ़े 8 घंटे तक इस अभिभाशण पर चर्चा हुई और आज 11 बजें से लेकर 5 बजे तक आप मानकर चालिए यादिन 6 घंटे तक इस पर चर्चा होगी। अध्यक्ष महोदय, मै इस बात के लिए भी सदन इस सदन को बधाई देता हूं कि आधारहीन बातो को भी सभी सदस्य बड़े आराम से सुनते रहे। विपक्ष की हालततो यह भी कि बोलने का समय दिया जाता तो ये बाथरूम में छुपते रहे। उर्दू की कहावत है कि आगज तो अच्छा है, अंजाम खुदा जाने। आज तो इसे बिल्कुल विपरीत हुआ हैं आज पहली बार विपक्ष के नेता ने गवर्नर एड्रैस के अभिभाशण पर चर्चा करने की भाुरूआत की, ऐसा पहले कभी नही हुआ, यह रिकार्ड की बात है कि और यह एक ऐसा रिकार्ड है कि जब तक सृश्टि रहेगी तब तक यह रिकार्ड रहेगा। विरोधी पक्ष के नेता ने गवर्नर एड्रैस पर जो भाशण दिया उसे मे पुअर कहूं ताक उसमे ंकोई अति योक्ति नही होगी क्योंकि वह भाशण तो था ही नही, इसकी पुश्टि तो चौ0 बंसी लाल जी भी कर देगे। (ाोर) हैरानी तो इस बात की है कि और तो और विपक्ष के नेताओं की

तरफ से भी गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों की सहायता जैसे विशय पर भी टीका–टिप्पणी करने में सकोंच नही किया गया। गुजरात के भूकम्प पीड़ित लोगों के लिए हरियाणा प्रदे ा की जनता ने, समाज सेवी संसस्थओं ने यहां तक कि स्कूलों में पस्द्यने वाले छोटे–छोटे बच्चो ंने जिन्हें उनके मा–बाप एक–एक या दो–दो रूपये जेब खर्ची देते है, उसममें से पैसे बचाकर गुजरात रिलीफ फण्ड में दिए। इस काम के लिए किसी को न्यौता देने की आव यकता नही थी। सदन के विपक्ष के नेता चौ0 भजन लाल जी यहां बैठे है, और लोग तो भाायद नही जानते लेकिन चौ0 भजन लाल जी डा0 भागीरथी बि नोई को जानते है। वे एक अच्छे सर्जन है, लाखो रू0 की प्रैक्टिस है। किसी ने उनको गुजरात नही बुलाया लेकिन वे गुजराम में भूकम्प पीड़ित की सेवा में लगे हुए थे और कितनी ही समाज सेवी संस्थाएं गई हुई थी। मुझे कहना तो नही चाहिए लेकिन हरियाणा विधान सभा के सभी सदस्यों ने अपने एक–एक महीने की तनखाहें गुजरात रिलीफ फण्ड में दी है। सरकारी कर्मचारियों ने एक–एक दिन का वेतन गुजरात भूकम्प पीड़ित सहायता कोश में दिया है। मेरा ख्याल है कि जो लोग इसका विरोध करते थे उनसे भी यह पैसा देने में चूक नही हुई होगी। बहुत अअच्दी बात है, ऐसा होना भी चाहिए। इस बात की सारे मुल्क में सराहना हुई ह। गुजरात के लोगों ने भी इस बात की सराहना की हैं अध्यख महोदय, विपक्षी सदस्यों की तरफ से इसब ात पर आपत्ति की गई थी कि हमें गुजरात में भूकम्प पीड़ित की सहायता के एिल जब यहां की टीम गई थी।

उसमें भाामिल नही किया गया, ऐसे काम के लिए कोई निमंत्रण की बात थोड़ी ही होती है। यह तो एक सराहनीय काम था और इन्सानी हमदर्दी के नाते और जैसी हरियाणा प्रदे ा की सम्भयता और संस्कृति की परम्परा है और परिपाटी हैं उसी प्रकार से केवल गुजरात में ही नही, आन्ध्र प्रदे ा और उड़ीसा में आए साइक्लोन के समय श्री हरियाणा प्रदे ा ने काफी मदद की। पिछले वर्श जब गुजरात और राजस्थान मेंसूखा पड़ा तब भी हरियाणा प्रदे ा के लोगों ने कैटल फीड दिया, तूडा दिया और जो मदद करनी चाहिए थी, वह सब की और यह एक अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, बहुत से मामलों को लेकर अभिभाशण पर चर्चा की गई, मुझे प्रसन्नता होती है अगर विपक्ष की तरफ से हैल्दी क्रिटिसज्मि होता और रचनात्मक सुझाव दिए जो हैं हम सदन में इस बात को मानने के लिए वचनबद्ध है, हमारीसोच केवल एक ही है कि हरियाणा प्रगति के पथ प आगे बढ़े। हम इसके लिए प्रयासरत हैं हमने अपनी सीमि साधनों का ज्रूादा से ज्यादा जनता की भलाई के लिए उपयोग किया है। अध्यक्ष महोदय, पानी के मुद्दे को लेकर विपक्ष के भाईयों नें काफी चर्चा की, इस बारे मं मै कहना चाहूंगा कि पिछले साल सितम्बर से लेकर जून तक बरसात की एक बूद भी नही हुई फिरीाी हरियाणा सरकार ने बाढ का पानी ड्रेनों में डाला हुआ था वह किसानों तक पहुंचाया। विपक्षी सदस्य इस काम के लिए सरकार की प्र ांसा करने की बजाय आलोचना कर रहे हैं इसके अतिरिक्त पड़ोसी राज्योंसे महंगी बिजली खरीद कर किसानों को सस्टे रेट परि बजली दी ओर यही कारण है कि

किसानों की फसल बहुत अच्दी हुई ओर केन्द्रीय पूल में 38 लाख टन गेहूं देने की जगह 45 लाख टन गेहूं दिया गया, यह रिकार्ड की बात है ओर यह अपने आप में एक कीर्तिमान हैं आज भी बरसात ने होने के कारण हरियाणा के अन्दर सुखे की स्थिति बनी हुई हैं भाखड़ा डैम का पानी 27 फीट नीचे चला गया है, यह गिरावट पिछले 16 वर्श में सबसे ज्यादा इस बार हुई। लेकिन मेरे विपक्ष के भाई बजाय इस समस्या से निपटने का सुझाव बताने के इसका राजनैतिक लाभ उठाना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, हमने हर संभव प्रयास किया है कि हरियाणा की जनता को पर्याप्त मात्रा मे ंपानी मिले। यमुना में भी पानी 1200 क्यूसिक फीट तक रह गया था, इसबात का जिकर चौधरी बंसी लाल जी ने भी किया और दूसरे साथियों ने भी किया था। चौधरी बंसी लाल जी ने भाखड़ा नहर की मरम्मत करवाने के लिए पुरानी परिपार्टी को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार को पैसे भी दे दिए थे। लैकिन वह मरम्मत नही हो पाई, प्रदे ा में नहरों की सफाई नही हुई। जिसके कारण नहरों में 10500 क्यूसिक पानी की जगह सिर्फ 5700 क्यूसिक ही पानी आ रहा था। इसके अतिरिक्त नरवाना ब्रांच मेंाी 3500 क्यूसिं पानी की जगह 3000 क्यूसकि ही रह गया। हमारी सरकार ने अनुरोध किया। चौधरी बंसी लाल जी ने तो अपनी सरकार के समय में निर्णाय ले लिया था कि किसाना का पक्का खाला टूट जायेगा उसे किसान ही बनवायेगा। अध्यक्ष महोदय, एक गरीब किसान के खेत में पानी देते हुए यदि खाला टूट जाये तो वह कैसे बनवायेगा, गरीब किसान कच्चा खाला तो बना नही

सकता और किसान की खेत में पानी देने की बारी में खाला टूट जायेगा वह किसान तो उस खाले को बनाते बनाते ही दम तोड़ देगा। लेकिन हमारी सरकार ने पक्क खले बनवाये है और किसान के खेत मक ज्यादा से ज्यादा पानी पहुंचाने की कोि ा ा की है। विपक्ष के कई माननीय सदस्यों ने पीने के पानी की भी ि ाकायत की हैं इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा मे ंऐसा कोई भी जोड़ा नही है जिसमें नहर का पानी प ुाओं के पीने के लिए न डाला गया हो सरकार ने स्टैडिग आर्डर जारी किए हुए थे कि जब भी नहर आये उस समय पहले सभी जोहड़ों को भरा जाये यदि मोरी खाली नही है तो दूसरी मोरी निकाल ली जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने नहर से लोकर जोहड़ तक के नालों को भी पक्का करने का निर्णय लिया हैं यदि कोई सदस्य हय कहे कि मेरे यहा सुन्दर ब्रांच महीने में 15 दिन चले चह बहुत मुि ाकल बात हैं क्योंकि हमारी सरकार सभी को बराबर पानी देना चाहती है। और दिया हैं यह नही होगा कि कही पर तो 7 दिन, 10 दिन या 20 दिन पानी जा रहा है और कही पर एक दिन भी पानी न जाये और कोई सदस्य ऐसी मांग करता है तो यह भी गलत है। मेरे विपक्ष के भाई धर्मबीर जी की तो यह पुरानी आदत रही है कि आग लगाकर डब्बू यह पंजाबी की एक कहावत है जिसक मतलब है आग लगावों और दौड जाओ। क्योंकि मण्डीयाली कांड हुआ और वहां पर धर्मबीर जी ने आग लगवा दी औरबाद में ये नजर तक नही आये, राम बिलास भामार्ा जी के घर आग लवाई, उसके बाद भी नजन नही आये। इसी तरह से कंवारी

गांव में सड़क पर जाम लगावा दिया और बाद नजरनही ओय और जेल गये फौजी जैसे भाई। धर्मबरी जी ने भिवानी में रैली करवाई ओर वहां परअपनी ही पार्टी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का पिटवा दिया, वे बेचारे 2 दिन हो गये हाउस में भी नही आ रहे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपके लीडर भी यहां बैठे हुए है (ाोर) आपके अध्यक्ष के खिलाफ या उनके मान के खिलाफ कोई बात नही (ाोर) यह तो एक्यचुअल पोजी ान है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर इनको कोई काई कसाई भी होगी तो हमारे जिम्मे पड़ जाएगी।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता को ऐंसी कोई बात नही करनी चाहिए जिसके लिए हमें उठ कर कुछ कहना पड़े। इनहौन भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का नाम लेकर कहा कि वे दो दिन से हाउस मे ंनही आए, उनकी पिटाई कर दी। (ाोर एवं व्यवधान) इन्होने ऐसा बोला है। (ाोर) पिटाई का कोई सवाल नही है ंवे हमारी पार्टी के प्रदे ा क अध्यक्ष है। (ाोर) उनके लिए हमारे दिल में बड़ी इज्जत हैं अध्यख महोदय, हमारा आपसे अनुरोध है कि पिटाई वाली बात जो कही गई है उसकसे कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता इस बात को बार बार दोहरा कर जो चटकारे ले रहे है यह

मै भी जानता हूं और सदन भी जानता है। (ाोर) जैसा चौधरी भजन लालन जी के साथ गोहाना में हुआ था अब ये उसका बदला लेना चाहते हैं ठीक है, ये जोर लगाते रहें (ाोर) अध्यक्ष महोदय जो बिजली की कमी है वह एक मजबूरी है और हमें हरियाणा प्रदे ा का हितै ाी होने के नाते इस बात को ध्यान में रखकर चलना चाहिए। अब इसके लिए किस किस को दोश दिया जाए। पानीपत थर्मल पावर प्लांट की पांचवी यूनिट को बनाने के लिए हमारी सरकार के वक्त तय किया गया था। (ाोर)

श्री धर्मबीर सिंहः सर, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः धर्मबरी जी, आप बैठिए। (ाोर)

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी के गांव में जो नहर चलती है वह तो महीने में एक दिन भी बन्द नही होती। मेरे हल्के मे कैरों माइनर का जो नाम मैने लिया है वहां पर सरकार के ड़ेढ साल के भाासन के दौरान टेल में पानी पहुंचा हो, तो बता दे। यह सरकार हमें ये बातए तो सही कि हम नहर की मोरी कहां से खोले और पानी कहां से पीए। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैने तो यह कहा है कि ये जिसको साथ लेकरचले, कम से कम उसउकस साथ तो निभाये। ठीक है, पानी की कोई दिक्कत है तो ये हमें बतायें हम उसको दूर करेगे। पानी की कमी हो हम दूर करने की कोि ा ा करेगे।

श्री रामकि ान फौजी: अध्यक्ष महोदय, हाउस में सबकों मालूम है कि कांग्रेस धोखेबाज है। इसमें कोई भाक नही है। (हंसी एवं भाोर/व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमने इस बात को छुपा कर नही रखा कि बिजली की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने भी प्रयास किये। प्रदे ा में गैस बैस्ड तीन पावर प्लांट लगे जिनमें से दो इन्होने चालू कराये। इसके लिए हरियाणा इनका अभारी है। इस सरकार के आने के बाद तीसरा गैस बैस्ड पावर प्लांट भी चालू हो गया हैं हमने तो यहां तक प्रयास किया है कि पानीपत की रिफाइनरी से 365 मैगावाट बिजली भी प्रदे ा के लोगों को जल्दी से जल्दी मिले। इस सरकार ने राजस्थान की एक फर्म के सथ एम0 ओ0 यू0 साइन किया हैं जिसने हिमाचल प्रदे ा में भी एक हाइडल प्रौजैक्ट लगाया है। इसके अलावा कुवैत–इंडों कमी ान के तहत हिमाचल में 500 मैगावाट पावर प्लांट का एक ओर एम0ओ0यू0 सईन करने जा रहे है। इसके बारे में हमने एडवांस में उनसे बात की है अीाी उधर के कुछ सदस्य बोल रहे थे जिसमें मांगे राम गुप्ता जी भी थे। मांगे राम गुप्ता जी तो बिडत्रे सयाणे और समझदार व्यक्ति है। ये लोग भिवानी की रैली का जिक्र कर रहे थे और बड़ी चर्चा हो रही थी कि इस रैली में लाखों आदमी इकट्ठे हुए। जिस रैली का इनकोवहम हो गया हैं भजन लाल जी भी खु ा हो रहे है लकिन ये रैली से इतना खु ा नही है जितना कि

भूपेन्द्र सिह हुड्डा वाले मामले में खु ा हो रहे है। मुण्े इस बात का पता है ओर मै अच्छी तरह से समझता हूं। (ाोर) जिस रैलजी के बारेम ें ये इतना बढ़ा चढ़ा कर बता रहे है। उसके लिए सदन की एक समिति मुकरर कर दी जाए, जिससे सारा पता चल जाएगा। चौधरी बंसी लाल जी भी यहां पर बैठे है ओरये भी जानते है कि उगर उस ग्राउंड को नापा जाए तो पता चल जायेगा कि वह छः एकड़ का ग्राउंड है और मांगे राम गुप्ता जी खुद बनिये है और वे हिसाब–किताब जानते है कि फीते तान के फसा–फसा कर भी आदमी बिठाएंगे तो 50 हजार आदमी उस ग्राउंड मे ंनही बैइ सकते। कुरूक्षेत्र की जिस रैली को वह केवल हरियाणा प्रदे ा के किसानों के लिए ही नही बल्कि पूरे दे ा के किसानों के लिए संकट मोचन है। प्रधान मंत्री जी ने गेहूं का भाव पिछले साल के मुकाबले 60 रूपये प्रति क्विटल बढ़ाने के बारे में हमें आ वासन दिया हैं आप तो एक रूपया प्रति क्विंटल के हिसाब से भाव बढ़ा कर किसानों के साथ भद्दा मजाक किया करते थे (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मै आज फख्र के साथ कह सकता हूं कि गेहूं का भाव नि ि चत रूप से बढेगा, ऐसा आ वासन प्रधान मंत्री जी ने हमें दिया हैं जिस व्यक्ति ने संकट के समय में हमारी मदद की हो उसकसे मै सकट मोचन न कहूं ता किसको कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी और चौधरी भजन लाल जी की सरकारें भी रही हैं और हमारी भी सरकार रही हैं यदि मै इनकी सरकारों की और अपनी सरकार की तुलना करूं तो हमने किसानों को बिजली इनसे ज्यादा दी है आप एक दिन की बिजली

की आपूर्ति के आंकड़े देख सकते है। कि किसके समय मे ंकितनी कितनी बिजली दी गई। इन दोनों के राज के समय वोल्टेज कम होने के कारण बिजली की मोटरें बहुत अधिक सड़ती थी जबकि हमारे राज में एक सिंगल मोटर भी कही से सड़ने की खबर नही आई। इस सदन मे ंइन लोगों ने कहा कि हमने चुनाव के समय जनता से वायदा किया था कि हमारी सरकार आयेगी तो हम बिजली पानी किसानों को मुक्त में देगे। मै इनको बताना चाहूंगा कि हमने ऐसी कोई बात कभी नही कही। किसी राजनीतिक दल की पोलिसी उसका चुनाव घोशणा पत्र हुआ करती हैं मेरे पास इंडियन ने ानल लोकदल का चुनाव घोशणा पत्र हैं इसमें कही पर भी नही लिखा गया कि हम किसानों को बिजली पानी मुक्त देगे। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले 25 सितम्बर 1997 को जींद की रैली में ओम प्रका ा चौटाला ने कहा था कि हम किसानों को मुफ्त बिजली पानी देगे। इन्होने लोगों को गुमराह करके वोट लिए है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यख महोदय, ये चुनाव फरवरी मे ंहुए। मेरे पास 7 फरवरी का अमर उजाला अखबार है। इसमे ंखबर छपी है कि चौटाला ने बिजली पानी के पाये को दर किनार किया। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब चुनाव पीक पर था ते उस वक्त हमने कहा था कि आज ऐसी स्थिति नही है कि हम बिजली पानी मुक्त दे सकें। (ाोर एवं

व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने बोलते हुए थीन डैम का जिक्र किया था।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैने तो थीन डैम का कोई जिक्र नही किया।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 नहर के बारे में यहां पर बहुत चर्चा हुई। एस0वाई0एल0 नहर हमारे प्रदे ा के लिए जीवन रेखा हैं इस एस0वाई0एल0 नहर के बारे में इन दोने के वक्त मे ंएक फैसला हुआ था। ये बेचारे मुख्य मंत्री बन गये यह अलग बात हैं मगर इनकी हैसियत कभी नही रही। चौधरी बंसी लाल जी, आप भी इस बात के गवाह है यह सदन गवाह है, पूरा प्रदे ा गवाह है कि राजीव–लौंगोवाल समझौता जब हुआ तो ये चपड़ासी की तरह बाहर बैठे रहे और इनको किसी ने नही पूछा था। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी की कोई बात भी रिकार्ड न की जाए। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी साहब, आप मेरी एक बात सनु लें अगर मै आने रूप पर आ गया तो ऐसी बुरी हो जाएगी कि कुत्ते खीर नही खाएंगे (ाोर) ऐसे इन्ट्रप्त करने की जरूरत नही है आप अपनी सीट पर आराम स बैठे। अगर मै बातन लगा गया तो बहुत कुछ मुझे बताना पड़ेगा (विध्न) मै चपड़ासी

नही कर रहा मैने तो यह कहां कि चपड़ासी की तरह बैठे थे (विध्न) आप मुख्य मंत्री थे लेकिन चपड़ासी की हैसियत में बैठे हुए थे अफसोस इसी बात का है।

श्री भजन लालः अध्याक्ष महोदय, * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी की बात रिकार्ड न की जाए। (विध्न) क्या कोई इजाजत दी है किसी को बोलने की? आप सभी बैठे। बहन जी, आप भी बैठे (विध्न) आपको तो अभी किसी बात का पता नही है। (ाोर) आप अपनी सीट पर बैठे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै बता रहा था कि एस0वाई0एल0 नहर हमारे पूरे प्रदे ा के लिए जीवन रेखा हैं लेकिन जिस बात की चर्चा ज्यादा की जा रही थी वह थीन डैम की, की जा रही थी। इस थीन डैम के मामले को चीफ मिनिस्टर्ज की मीटिंग में सबसे पहले मैने उठाया था। तीन मार्च को प्रधान मंत्री जी ने यह मीटिंग बुलाई थी ओर इस मीटिंग मे ंसबसे पहले मैने इस बात पर आपत्ति‍ा की थी। मैने कहा था कि प्रधान मंत्री जी, आप 4 तारीख को थीन डैम का उद्धाटन करने जा रहे है। आप जाईये, बहुत खु ाी की बात है कि दे ा को एक और प्रोजैक्ट आप दे रहे है। इस प्रोजैक्ट से बिजली मिलेगी यह बहुत अच्दी बात है,त्र लेतकिन ये जो पंजाब के लोग बैठे है आप इनसे कहे क जिस पानी से यह बिजली तैयार हुई है, वह पानी रावी नदी हा है जिसमे ंहामरा भी हिस्सा है, इसलिए इस बिजली में

हमारा भी हिस्सा बनता है। इन्हें आप यह कहें कि क्योंकि यह पानी पाकिस्तान को जा रहा है। इसलिए यह नै ानल लौस हैं मैने इनको यह भी सुझाव दिया था कि जिस प्रकार मिनरल्ज और माईन्ज का राश्ट्रीयकरण किया गया उसी प्राकर से आप दे ा के दरियाओं का राश्ट्रीयकरण करें। उन दरियाओ पर डैम बनाए, उन पर हाईडल प्रौजैक्ट्स बनाए ओर जिसको जितनी मात्रा में पानी चाहिए वह दीजिए जिसको जितनी मात्रा में बिजली चाहिए वह दीजिए और उन प्रदे ाों से पैसा ले। आज हम इस स्थिति मे ंनही कि कोई हाईडल प्रोजैक्ट हम अपने तौर पर खड़ा कर सके। मैने मिसाल दे कर बताया कि इण्डो–पाक ट्रीटी के तहज जो जेहमल, चिनाब और रावी का पानी पकिस्तान को जाता था, आपको पता है कि उस एग्रीमैंट में यह दर्ज है कि उस पानी में से मिनरल्ज निकाल सकते है, बिजली निकाल सकते है, लेकिन उसे सिंचाई के लिए प्रयोग नही कर सकते है। 1947 के फैसले के बाद सालार प्रोजैक्ट तैयार किया गया, मैने कहा कि यहां पर जम्मू क मीर के पावर मिनिस्टर बैठे हुए है, यह प्रोजैक्ट 1987 में तैयार हुआ। यह प्रौजैकट चालीस साल में इसलिए तैयार हुआ क्यों इनके पास पैसा नही था। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास हिमाचल प्रदे ा के मुख्य मत्री बैठे हुए थे। आज हिमाचल प्रदे ा मे 20 हजार मैगावाट हाईडल बिजली पैदा करने की क्षमता है लेकिन हिमाचल प्रदे ज्ञ की सरकार इस पोजी ान में नही हे क वह इतना पैसा खर्च करके कोई हाईडल प्रोजैक्ट लगा सके। पंजाब और हरियाणा मिल कर भी प्रयास करें तो भी हम इस पोजी ान में ंनही है कि उस तरह

का हाईडल प्रोजैक्ट लगा सकें। आज हाईडल प्रोजैक्ट पर पांच या छः हजार करोड़ रूपये का खर्च आता है। मैने कहा था कि आप बिजली तैयार करें और तमाम बिजली बांट कर दें। हमारे हिस्से का एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी पंजाब की हठधर्मी की वजह से पाकिस्तान जारहा है और यह नै ानल लौंस है। आप इसको सम्भालिए। जिस पानी की चर्चा कर रहे है उस पानी से पंजाब ने चार प्रोजैक्ट लगा लिए है। एक प्रोजैक्ट आनन्दपुर साहब का है और एक मुकेरिया का है। आनन्दपुर साहब का हाईडल चैनल 134 मैगावाट का है मुकेरिया का प्रोजैक्ट 207 मैगावाट का और अपरबार दोआबा कैनाल (यू0बी0डी0सी0) का प्रोजैक्ट 45 मौगावाट का है और चौथे 600 मैगावाट के प्रोजैक्ट का उद्घाटन अब आप करने जा रहे हैं उसके बाद नीचे भााहपुर कण्डी प्रोजैक्ट और हे जो उसी पानी से तैयार हो रहा हैं मैने कहा प्रधान मंत्री जी जी आप वहां जाईये लेकिन जिस पानी से बिजली तैयार की जाएगी उस पानी में हमारा हिस्सा है आप बराए मेहरबानी करके इनसे कहें कि हमारे हिस्से की बिजली हमें दे। इससे पहले यह प्र न मुख्य मंत्री के तौर पर न कभी चौधरी बंसी लाल जी अपने उठाया और न चौधरी भजन लाल जी ने उठाया। अगर उठाया हो तो आप दोनो बता दीजिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैने तो उठाया था लेकिन मेरी पार नही पड़ी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अब ये इसबारे में क्या मुद्दा उठाया है। 1950 में संयुक्त पंजाब के समय सतलुत, रावी–ब्सास दरियाओं के पानी के समुचित प्रयोग के लिए एक मास्टर प्लान बनाया गया था। उस मास्टर प्लान बनाया गया था। उस मास्टर प्लान के तहज सतलुज पर भाखड़ा डैम, ब्यास पर पौंग डैम और रावी पर थीन डैम बनाकर बिजली बनाने की परियोजना बनाई गई थरी। सन् 1955 में एक अन्तर्राज्तीय समेलन मे ंरावी–ब्याज दरियाओं के पानी का बंटवारा किया गया था कुल 15.85 मिलियनल एकड़ फीट पानी मे ंसे संयुक्त पंजाब का 7.2 एम0ए0एफ0 पानी का हिस दिया गया। 1960 में भारत सरकार और पाकिस्तान सरकार के बीच नदियों के पानी के बंटवारे के बारे में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे ओर पाक्स्तिान को 100 मिलियान डालर अदा करके सतलुज, ब्यास एवं रावी दरियाओं के पानी का एकल अधिकार प्राप्त किया था। अगर मै कही पर ीाी गलत हूं तों बता देना क्योंकि आप सरकार मे ंरहे हो। वर्श 1976 मेंभारत सरकार ने अधिसूचना जारी करके संयुक्त पंजाब के 7.2 एम0ए0एफ0 पानी का पंजाब और हरियाणा में आधा आधा बांट दिया था। याही पानी एस0वाईएल0 कैनाल के जरिए हरियाणा को मिलना हैं इसके उपरान्त इराड़ी ट्रिब्यूनल ने 1987 में हरियाणा के हिस्से केनाते उन सीाी परियोजनाओं में जहां पजाब मे ंपानी से बिजली बनाई जा रही है अथवा बनाई जानी है। उसका 50 प्रति ात हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार बनता है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि हमारा 50 प्रति ात हिस्सा नही है, बल्कि 50 प्रति ात से ज्यादा हिस्स बनता है क्योंकि हमारा पानी का हिस्स ज्यादा है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य के हिस्से की मान्यता समय समय पर मानी गई है और वर्श 1979 में अटार्नी जनरल आफ इंडिया ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इन्दिरा गांधी को कानूनी राय दी थी हरियाणा राज्य को पानी का हिस्सा मिलना चाहिए। इस रावी–ब्यास दरियाओं के तमाम पानी का प्रयोग रकने लिए निम्नलिखित परियोजनाओं के बनाने का फैसला किया गया जिनका मैने अभी उल्लेख किया हैं इन पांचों परियोजनाओं में पहली बार पंजाब सरकार ने पूरी कर ली हैं और इन परियेाजनओं से पैदा होने वाली बिजली का अकेले इस्तेमाल पंजाब ही कर रहा हैं इस प्रकार हरियाणा राज्य का लगभग 500 मैगावाट बिजली का हिस्सा हरियाणा को नही दिया जा रहा है। वर्श 1984 में जब पंजाब सरकार ने आनन्दपुर हाईडल चैनल को नंगल हाईडल चैनल से जोड़ना था एवं रोपड़ थर्मल पावर स्टे ान को पानी देना था तब भारत सरकार के माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्य से एक लिखित समझौता किया था उस समझझैते पर चौधरी भजन लाी जी के दस्तखत हैं वह समझौता यह था कि इन हाईडल प्रोजैक्टस के राज्यों के अधिकारों का फैसला नि ि चत करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को भेजा जाएगा। लेकिन आज तक उस फैसले पर अमल नही हुआ हैं चौ0 भजन

लाल जी आप कहते हो कि मैने नही किया लेकिन इस समझौते पर आपके हस्ताक्षर है। चौ0 बंसी लाल जी आप कहते है कि मैने तो प्रयास किया है, लेकिन 1986 में आप मुख्य मंत्री बन गये थे। फिरभी उस पर आज तक अमल नही किया गया, कोई चर्चा नही की गई। मै आपको यह बताना चाहूंगा कि पहली दफा मैने जुर्रत करके अपने हिस्से का पानी उनसे मांगा जोकि हमारा अधिकार है। इस मामले में कटाक्ष और नुक्ताचीनी करने की बजाए पूरेा सदन को और पूरे हरियाणा के लोगों को एक जुट होकर के अपने अधिकार को हासिल करना चाहिए। चौ0 बंसी लाल जी मै आपको एक बात बता दूं कि जब आप मुख्य मंत्री थे उस समय इस प्रकार का आप रैजोल्यू ान लेकर आए थे तो हमने उसमें आपका पूरा साथ दिया था।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्यमंत्री जी ने यह बताया कि 1976 में पानी का फैसला हुआ था और उसी आधार पर श्रीमति इंदिरा गांधी ने इस नहर के लिए आधारि ाला अपने करकमलों से रखी थी। यह रिकार्ड में हैं यह आधारि ाला पानी का फैसला होने के बाद रखी गई थी। जहां तक मुझे याद है कि जब मै मुख्य मंत्री था तब ही 80–85 फीयदी नहर बनी हैं यह रिकार्ड में है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी की यादा ात को मुझे दाद देनी पड़ेगी इसके अलावा मै ओरक्रूा कह सकता हूं अब मै कुछ कहूंगा तो ये कहेगे कि मेरे

साथ यह ुआ था इन्होने तो पूरे प्रदे ा को बर्बाद करके रख दिया है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी आप बैठिए। मुख्य मंत्री जी जो कह रहे उसे आपको सुनना चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज इसका प्रचार भी किया जा रहा है। कई किस्म के लोग इस तरह की बातें प्रचरित कर रहे हें ये लोग बिजली के अभाव की बात को ध्यान में नही रख रहे हैं उनके द्वारा इस बारें में अनर्गल प्रचार किया जा रहा हैं कि बिजली का लोड बढ़ाया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, हम भी समझते है कि जमीन के पानी का लैवल नीचे चला गया है। चौधरी बंसी लाल जी ने चार तरह की स्लैब प्रणाली लागू की और इस तरह से उनहोने गांव को एक यूनिट मान लिया। वे एक ऐसी विपदा जाते–जाते हरियाणा प्रदे ा के गले में डाल गए जिसका कोई समाधान नही हैं अध्यक्ष महोदय, इस बारें में चौधरी देवी लाल जी ने एक निर्णय बाकायदी से तय किया था कि जमीन में पचास फुट तक पानी होगा वहा पर इतने पैसे और जां पर पंचास फुट से अस्सी फुट तक पानी होगा वहा पर इनते पैसे तथा जहां पर अस्सी फुट से नीचें पानी होगा वहां पर इतने पैसे देने होगे उनको वह फैसला एक ऐसा फैसला था जो पूरे हरियाणा प्रदे ा के लोगों को बिल कबूल थ। जबकि चौधरी बंसी लाल जी ने बाद में एक ऐसा फैसला कर दिया जिनके अनुसार एक खेत के 35 रूपये के हिसाब से और दूसरे खेत में 65 रूपये के हिसाब से

पैसे देने पड़ेगे। पानी का स्तर निरंतन नीचे जा रहा है क्योंकि वह रि–चार्ज नही हो रहा है इसके अलावा जोहड़ भी और नही खुद रहे है। इस तरह से पानी का सिस्टम खराब हो गया हैं इसलिए चौ0 बंसी लाल जी, अब मै आपसे इस बारे में खुलकर एक बात कहना चाहह रहा हूं क्योंकि आज पूरा सदन यहां पर बैठा है। आप हमें इस बारेमें बताएं कि इसका क्या सोल्यू ान हो सकता है, क्या समाधान हो सकता है? मै आपसे वायदा करता हूं कि इसका क्या सोल्यू ान हो सकता है, क्या समाधान हो सकता है? मै आपसे वायदा करता हूं कि इस बोर में आपके जो भी रचनात्मक सुझाव होगे उनको मानने के लिए हम वचनबद्ध है। हम आपके सुझावों को मानेगे क्योंकि हम हरियाणा प्रदे ा के हितेशी है हमारे लिए हरियाणा का हित सर्वोपरि हैं हमारी सोच में और दूसरों की सोच मे अन्तर है। यह मै आपको एक किस्सा सुनाकर बताता हूं। चौधरी बंसी लाल जी, आप बुरा नही मानना। अध्यक्ष महोदय, आज जहां पर चौधरी भजन लाल जी बैठे है। वहां पर कुछ अर्सा मुझे भी बैठने का मौका मिला था और चौधरी बंसी लाल जी मेरी वाली कुर्सी पर बैठते थे। विपक्ष के नेता होने के नाते जो सुविधाएं मुझे मिलनी चाहिए थी वह इन्होने छीन ली थी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको एक्ट की बात बता दूं। पहले एक्ट में होताथा कि अगर सरकार कार नही दे तो तीन सौ रूपये दिए जातने चाहिए। उस समय अगर मेने इनसे कार

वापस ले ली थी तो दस हजार रूपये महीना दिया था। मैने उस समय कानून कायदे नही तोड़े।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उस समय मुझे विपक्ष के नेता होने के नाते जो कोठी मिलनी चाहिए थी वह भी इन्होने नही दी थी। मुझे वह कोठी दी गई थी किजसमें एक आदमी बैठा हुआ था।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, उस समय और कोई कोठी खाली नही थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कोठी तो और भी खाली थी। इन्होने खुद तो विपक्ष के नेता बनने के पहले ही चीफ सेक्रेटरी से चार नम्बर वाली कोठी अलॉट करवा ली थी।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, लेकिन इन्होने तो वह कैसिल कर दी थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने वह कोठी अलॉट कैसे करवा ली क्योंकि ये तो उस समय मान्यता प्राप्त विपक्ष के नेता भी नही थे। इन्होने तो मुख्य मंत्री के पद से जाने के बाद हाउस को भी फेस नही किया था और आज ये सरकार से मांग रहे है क मै इतने अर्से तक विपक्ष का नेता था इसलिए मुझे से दो। यह तो इनके लिए डूब के मारे वाली बात है। यह हालत तो इन जनाब की हैं फिर से हरियाणा प्रदे ा के हितैशीं कैसे हो सकते है? चौधरी बंसी लाल जी पालियामैंट के

मैम्बर रहे, डिफैंस मिनिस्टर रहे ओर रेलवे मिनिस्टर रहे। इन्होने अपना इलाज भी आल इंडिया मैडीकल इंस्ट्रीच्यूट में करवाया है जबकि ये मैडीकल बिल की पेमैंट हरियाणा सरकार से मांग रहे हैं हालांकि इनकी इसके लिए इनटाइटलमैंट हैं इसलिए इनका हक तो है लेकिन इनको कुछ तो इस बारे में सोचना चाहिए था। यह नही कहता कि इनका इसके लिए हम नही था, हक तो है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बारे में सबमि ान हो थ्जस तारीख को मै आल इंडिया मैडीकल इंस्ट्रीच्यूट में ऐडमिट हुआ उस तारीख को मै इस सदन का मैम्बर था। इसलिए मैने अपना एड्रैस यही देना था ने कि एक्स0 एम0पी0 का एड्रैस मैने उनको दिया उसी के हिसाब से उनहोने मुझे एम0 एल0 एल0 का बिल बनाकर दे दिया ओर मैने वह सरकार से क्लेम कर लिया।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम यही नही कह रहे है कि इन्होने गलत बोला है। हमं पता है ये हरि चन्द्र हैं यह तो हम मानकरचल रहे हैं कि ये गलत नही बोल सकते लकिन जब इनकी इनटाइटलमैंट वहां पर भी है तो इनकों सैट्रल गवर्नमैंट से यह पैसा लेना चाहिए था क्योंकि वहां तो समुद्र है। यदि चौधरी भजन लाल जी को और मुझे पांच रूपये की भी दवाई चाहिए तो हम सैट्रल गवर्नमैंट से क्लेम कर लेते है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हाई कोर्ट में ये केस गया था ंये वहां पर कह देते कि मै अपने मैडीकल बिल का पैस वहां से क्लेम करूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, वहां पर जाकर कहने की जरूरत ही नही थी। ये वैसे ही मांग लेते यह तो इनका अधिकार था। एक एम0एल0ए0 का मैडीकल सुविधाए मिलती है। इसलिए इनको हाई कोट्र में जाने की क्या पड़ी थी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै गलत नही बोल सकता था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये फिर उसी बात पर आ जाते है। अध्यक्ष महोदय, इनके पास सिक्योरटीज के तीस आदमी है ुरिभी इन्होने दावा दायर कर रखा है कि मुझे फलानी एनटाइटमैंट की सिक्योरटीज चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये मुझे बताएं कि ये इतनी सिक्योरटीज का क्या करेगे कैन इनको मारेगा? कारतूस कितना महंगा है कभी सोचना है। इन्होने, क्या सोचकर कोई इनको मारेगा, जनता ने जिसको मार दिया हो उसको भला कौन मारेगा। ये सिमटकर सिंबल पर खड़े है छोरी और छोरा–राम कि ाा और बंसी लाल।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी पर्सनल बातों पर न जाएं तो अच्दा है। और जो बातें हमने कही है उनका जवाब दें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कानून और व्यवस्था की चर्चा की गयी कि प्रदे ा की कानून और व्यवस्था खराब है और हैरानी तो इस बात की है कि चौधरी भजन लाल ने भी इस पर चर्चा की।अब पुरान हिसाब कितब से अगर हम देखे, तुलनात्मक दृश्टि से देखे वैसे क्राइम करने वाला कभी क्राइम कर सकता है, लिकिन पुलिस की गुणवत्ता इस बात पर निभर करती है। कि आया पुलिस उस को पकड़ती है या नही। जितनी भ वारदातें हुई है। मुझे इस बात क लिए पुलिस की सरहान करने में फख्र महसूस हो रहा है। कि पुलिए ने उनको पकड़ने में अपनी क्षमता दिखाई है और इसके लि प्रदे ा की पुलिए बधाई की पात्र है। आज संयोग से महिला दिवास है। ओर आप इसी से अंदीजा लाएइए कि जब चौधरी भजनल लाल मुख्यमंत्री थे तब रेणुका कांड, सु ाीला कांड, द्रोपदी कांड हुए। (विध्न) अध्यक्ष महादेय, चौधरी भजन लाल जी बाद में बोल सकते है। इनको बोलने की मनाही नही है। ओर अगर हमसे कोई गलती हो तो हमें बताये ताकि हम उसे सुधार सके।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को चाहिए कि डिबेट का स्टैडर्ड ऊंचा करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बसी लाल जी को बताना चाहूंगा कि मै उस सु ाीला कांड का जिकर कर रहा हूं जिसके कलए हम देाने एक ही स्टेट पर थे। मै व्यक्तिगत बात नही कर हूं। मै सु ाीला कांड, रेणुका कांड़, द्रोपदी कांड

और भूतमजारा कांड का जिकर कर रहा हूं। और सरकार को यह पात होते हुए भी कि मुलजिम ये है क्यों उनके संबंध बड़े आदमियों से जुड़े हुए थे इसलि उन पर हाथ नही डाला गया।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर मै ऑन ओथ कहता हूं कि इन्होने जो कहा है क उन आदमियों के संबंध बड़े आदमियों से जुडे होने के कारण मैने उन्हें नही पकड़ा यह बात बिल्कुल बेसलैस और बेबुनियाद हे, भजन लाल ने न तो आज तक किसी आदमी की परवाह की है अैर नही किसी गुनहगार को आज तक बख्शा है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, फिरौती का जिक्र किया गया। इसके लिए सिवानी के धर्मवरी का नाम लिया गया ओर जिन लोगों ने धमकी दी ये सुभाश फज्ञैजी गिरोह के लोग थे, वे पकड़े गए अहै और जो लोग पुलिए का वांटेड है। भीघ्र ही पकड़े जाएंगे। रोहतक के महंत का जिक्र भी किया गया । यह जिक्र राव नरेन्द्र सिंह ने किया। नरेन्द्र सिंह यहां बैठे नही है। वे मुझये इसबारे में अलग से पूछ लेगे तेा मै उनको बता दूंगा। यातायात की सुवधिा के लिए हमने एक नई परिपार्टी भाुरू करने का निर्णय लिया है ताकि निरन्तर घट रही दुर्घटनाअें से लोग बच सके। इसके लिए हमने ट्रैफिक का अलग से एक विंग मुकर्र किया है। जिसके तहत हर बीस किलोमीटर की दूरी पर एक पुलिए पोस्ट होगी, मैडीकल वाहर होगी, टैलीफोन होगे। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट पर कार्यरत सिपाहियों की अलग पहचान बनाये रखने

के लिए उन्हें पुलिए की वर्दी से अलग वद्री दी है। हम चाहते है कि लोगां को रोडस सैस आये और दुर्घटनाएं बद हो ओर उसके लिए हमने जिस ट्रौमा सैंटर का जिक्र किया है उस ट्रौमा सैटर को बनाने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मत्रालय से वि ोश रूप से अनुरोध किया है क जितनी भी जी0 टी0 रोड है उन सब पर ये ट्रौमा सैंटर बनाए जाए। हमरी सोच है हम चाहते है कि हरियाणा प्रदे ा में लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिले। अध्यक्ष महोदय, चर्चा चलती हैं कि कर्मचारी नौकरी से निकाल दिए गए है। यह भी कहा गया कि फलाना मिल बंद हो गयई। चौधरी भजन ला जी ने वि ोश तौर पर जिक्र किया कि हांसी स्पिनिंग मिल बंद हो गई हैं अब मै आपको बताना चाहूंगा कि हांसी स्पिनिंग मिल को बंद करने का निर्णय 10.10.1994 को किया गया था उस वक्त हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी थे। चौधरी भजन लाल जीन`अपनी अध्यक्षता मे ंऐ मीटिंग की थी उस मीटिंग में यह तय किया गयाथा किजो स्टेट की अण्टरटेकिंग्ज वायबल नही है उनको बंद कर दिया जाए। उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्यमत्री बने तो उनहाने 22.10.1998 को हांसी स्पिनिंग मिल के लिक्विडे ान का फैसला किया था हमने तो बंद करने और जिक्विडे ान करने की आड़ नेकर यह मामला लटका दिया। हमने यह गलती जरूरी कर दी कि इसे बंद करने का निर्णय ले लिया क्योंकि हरियाणा सरकार के खजाने पर रोजना एक लाख रूपये का आर्थिक बोझ पड़ता था। अब यह मिल बंद

पड़ी है, चल नही रही है फिर भी सरकार के खजाने से लाख रूपये रोज लग रहे है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हांसी स्पिनिंग मिल में जो पांच हजार कर्मचारी काम करते थे कम से कम उनका तो ध्यान रखना चाहिए था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भजन लाल जी को यह भी बताने जा रहा हूं कि जो कर्मचारी निकाले गये है उन कर्मचारियों को चाहे वे चपड़ासी क्यों न हो प्रत्येक कर्मचारी को कम से कम दो लाख रूपये देने का फैसला किया हैं हमने इनको बेरोजगार नही किया हम उनको सड़कों पर नही लाये। उन कर्मचारियों को इतने पैसे दिए है कि वे उस पैसे से अपना करोबार चला सकते हैं हमने उस मिल को इसलिए बंद किया क्योंकि सरकार खजाने पर अनाव य बोझ न पड़े। चौधरी भजन लाल जी, आपको उस कॉन्फेड का तो जिक्र नही करना चाहिए जोकि ***** महकमा कहलाता था जिसके लैंहम्बर सिंह एम0 डी0 थे जिसको आप आर्डर दिया करते थे और जेब से पर्ची निकाल कर दिया करत `थे। आपको याद आय या मुझे बताना पड़ेगा उस समय बिना सैक ान के पोस्टिंग हुआ करती थी।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने तो माननीय मुख्यमंत्री जी से यह कहा है क जो हैफड या दूसरी कारपोरे ांज है जिनके कर्मचारी बेचारे ऐज हो गये है वे कहा जाएंगे। कम से

कम उनको तो किसी और महकमें में आपकों एडजस्ट करना चाहिए था। अगर किसी यूनिट का काम ठीक नही है उसकसे तोसरकार बंद करती है लेकिन उस यूनिट में काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों का ध्यान तो सरकार को रखना चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये बिन सैक ान के राज चलते जेब में से पर्ची निकल कर दिया करते थे। मांगेराम जी ने फिर कहा था कि सिखाये हुए तो हमारे थे लेकिन ये 34 से 34 ले गये थे। बड़ा डिफैल्टर क्या है दुनिया में? (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि ससे डिफैल्टर तो चौधरी देवी लाल है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी दवेी लाल जी इनते एम0 एल0 एज0 जिताकर लाये थे। मांगेराम जी से ऐस महानुभाव थे जिनको ले ामात्र भी संकोच नही था ऐस अहसास फरामो ा लोगों को तो आप समझाओं। वे 34 के 34 चले गये ओर उन्होने इन्होनै मंत्री बनाना पड़ा, परन्तु अब तो दस में चालन लगा रही है सै। ये तो 40–40 की वजारत बनाया करते थे हमारे ये दस बैठे है और ठाठ सेराज चालन लाग रही सै।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी मजबूरी है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि मजबूरी नही है चौधरी गाय

के घी की मन में ले जा, रीज कै मर जाइये, पत्ता नही हिलने दूंगा किसी चीज का बहम हो जब तक जीऊंगा मुख्यमंत्री रहूंगा। आज कर जा रहा हूं सदन मे ंचहो जितना जोर लाग लिये। मै उस तरफ बैठता था जब तनै जोर था एक नही टूटा था आज तो राज क मालिक है राज भोगैगे ठाठ सै, मालिक है राज के ठाठ से राज करेगे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर इनका राज रहा तो यह हरियाण का दुर्भाग्य होगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस किस्म के हालत प्रदे ा में इन लोगों ने पैदा कर दिये ळै। इनके सामने प्रदे ा का हितन नही है राजनीतिक सत्ता का लाभ उठाने के लिए इस तरह के अनग्रल प्रचार करके लोगों में भ्रान्ति पैदा करने की कोि ा ा करते है। बड़े लोगें के सामने कहते है। कि अब की बार मै सरकार का तोड़ दूंगा, महीने में तोड़ दूंगा अगर नही टूटी तो सुसाइड गर लूंगा। हमने पुलिस को इस प्रकार की हिदायतें दे दी है। कि मरने से पहले खुदकशी का पर्चा करके रखे। आसानी से मारने नही देगे। कीड़े पड़कर मरोगे। यू सोखा सा कैसे मरने देगे।

श्री भजल लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि हम तो मारकर मरने वाले है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अब मै इनको कॉन्फेड की सुना दूं। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार केसमय 12 दिसम्बर, 1998 को कॉन्फेड के प्र ाासक मण्डल ने 1036 पदां को स्वीकृत किया है अज्ञैर यह फैसला किया कि इनपदों से ज्यादा कर्मचारियेां को कानूनी औपचारिकताये पूरी करके निकाल दिया जाए। चौधरी बंसी लाल जी यह आपके वक्त काक फैसला है। इस फैसले के परिणामस्वरूप 13 दिसम्बर, 1998 में 259 कर्मचारियों का निकाला गया था। ये सारी बातें इन दोनो के वक्त की है। यह सिलसिला यही बंद नही हुआ। वर्श 1998 में भी 165 खुदरा दुकानें बद की गई जिसके परिणामस्वरूप 165 सेल्समैन को हटाया गया था क्योंकि ये दुकाने घाटे में चल रही थी क्यों कि ये सरकार खजाने पर एक अनाव यक बोझ थी, हमने उस बौझ को कम करके उस पैसे से विकास के कामों को गति देने में लगायाहै। आज सदन मे ंप्रचार किया गया था, किसी साथी ने भाायद धर्मबीर जी कह रहे थे कि सिरसा जिले मे ंबहुत पैसया लगा दिया, हमारी सरकार ने यह फैसला लियाथा और चुनाव घोशणा पत्र में भी एक बात कही थी कि जो क्षेत्र विकास के मामले उपेक्षित रहे है उन क्षेत्रों के विकास के लिए प्राथमिकता प्रदान की जाऐगी। धर्मबीर जी, आप जहां सिरसा से ज्यादा पैसा लगाने की बात कर रहे थे कि वहां की मार्किट कमेटियों की ज्यादा सड़क बन गई तो इस बारे में मै बताना चाहूंगा कि सिरसा की मार्किट कमेटी सरकार को 16 करोड रूपये की रैवेन्यू सालाना देती हैं आप बहल ओर जुई की मार्किट कमेटियों के बारेमें बात

दे, वे तो सरकार की कोई रैवेन्यू दे रही नही रही बल्कि उल्टा सरकार से खर्च ले रही है। (ाोर) लेकिन फिर भी मै आपको बता रहा हूं कि 90 के 90 हलकों में हमने विकास के कार्य करवाए है, कोई भी सम्मानित साथी खड़ा होकर कह दे कि मेरे हल्के के सथ भेदभाव किया गया है। यहां तक कि आदमपुर में भी विकास के कार्य किए गये है। जो पहले से ही एक विकसित क्षेत्र है।

डा0 रघुबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि 90 के 90 हल्कों मे ंसे कोई बता दे जिसके हल्के में विकास कार्य न हुआ हो तो मै ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय की नोलेज में लाना चाहता हूं कि मेरे हल्के बेरी में कोई विकास का कार्य नही हुआ। (विध्न)

श्री अध्यक्षः कादयान जी, आप बैठिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै कादयान जी के बेरी हल्के की ही बता देता हूं। बेरी में बहराना से इस्माइला, चिमनी से चिमनी मन्दिर, दुबलधन से पहाडीपुर, गोच्दी से बिसान, जांधी से गुढ़ा, खातीवास स गवालिसन, मदान कलां से गोच्दी मांगवास से पलडद्या, महराणा से मदान तथा सफीदपुर से इमलोटा इन सारी की सारी लिंक सड़कों को बनाने का काम चल रहा है।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि ये सारीसड़के अंडर कंस्ट्रक ान है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कादयान जी, क्या इतनी सड़के बनाने के लिए पहली कभी मंजूरी दी गई है? आप भी मंत्री रही है किसी भी सरकार के राज में एक हल्के में इतनी सड़के बनाने के लिए कभी मंजूरी दी गई है?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर मै पूरे प्रदे ा की सड़कों के बारे में बताऊं तो हमारी सरकार बनने से पहले 15.06.1991 से 24.07.1999 से 31.12.2000 तक और इस पीरियड में सड़कों पर 97 करोड 68 लाख रूपये लगे है। (मेजे थपथपाई गई) ये तो सरकारी आंकडे है। हम प्रदे ा के विकास क लिए वचनबद्ध है मै सदन को एक बार फिर कहकर जा रहा हूं कि हम सारी की सारी सड़कों की मरम्मत करवाएंगे। आज तक सर्दी के कारण तारकोल सड़कों पर काम करने के काम नही आ रहा था। आप देखेगे कि बारि ा होने से पहले हरयिाणा में कोई भी सड़क का टुकड़ा नही मिलेगा जो पूरी तरह से करपेटिड न हो। अगर कोइ सड़क बनने से रह जाए तो मै खुल दिनसे हर माननीय सदस्य को आफर करता हूं कि हमारे पास आइए, हमें बताएइए हम सरकार की तरफ से उनकी पूरी मदद करेगे। हम ये सक काम आप के लिए नही करेगे हम ये काम प्रदे ा के लोगों के लिए करेगे क्येांकि हमारा लोगो ंसे प्रेम है, स्नेह है। क्योकि आप लोग आज है, कल नही लेकिनजनता सदा के लिए है। हम

जनता के लिए ही काम करेगे`किन हम हैरानी इस बात की है कि भजन लाल जी जैसे व्यक्ति भी यह कहें कि पुलिस के सिपाहियों की भर्ती में 3–3 लाख रूपये रि वत ली गई है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इनके समय में लगाये गये गलत तरीके से 1600 सिपाहियों को हटा दिया है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, रि वत वाली बात मै नही कह रहा, यह तो जनता कह रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै पूरे हाउस को और हरियाणा की जनता को आ वासन देता हूं कि पुलिस भर्ती मैं किसी भी तरह की अनियमितता अगर किसी ने की है तो हमें बताये हम उसके खिलाफ कार्यवाही करेगे और जो दोशी होगा उसके खिलाफ एक ान लेगे। चाहे दोशी व्यक्ति हमारी पार्टी का सदस्य हो, चाहे कोई बड़ा अधिकारी हो, चाहे बड़ा राजनेता हो, हम किसी भी दोशी पार्टी का सदस्य हो, चहो कोई बड़ा अधिकारी हो, चाहे बड़ा राजनेता हेा, हम किसी भी दोशी व्यक्ति को नही बख्भोगे। हमारी सरकार ने पुलिस भर्ती में किसी से एक नया पैसा भी नही यिल और योग्यता के आधार पर पुलिस भर्ती की गई हैं अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार चौधरी देवी लाल जी के दिए हुए नारे को साकार करना चाहती है और भश्ट्राचार को हरियाणा प्रदे ा से जडमूल से समाप्त करना चाहती हैं अध्यक्ष महोदय, कुछ भाईयों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बालते हुए गन्ने के भाव के बारे में जिक्र किया। इस बोर में मै

हाउस को बताना चाहूंगा कि वि व भर में भी गन्ने का भाव इतना ज्यादा नही दिया गया जितना हरियाणा सरकार ने किसानों को गन्ने का भाव प्रति क्विंटल 110 रूपये दिया। जिस समय चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे उस समय गन्ने का मूल्य 50 पैसे प्रति क्विंटल बढ़ाय जाता था और गेहूं का मूल्य एक रूपया प्रति क्विंटल बढ़ाया जाता था और उस समय जब हम इनका विरोध करते थे तो हमारे ऊपर ठंडे पानी के फव्वारे चलाये जाते थे। चौधरी बसी लाल जी ने भी कहा कि किसानों को गन्ना नही बिक रहा। इस बारे में मै उनको बताना चाहूंगा कि हमारे यहां भूगर मिल्ज 10.50 प्रति ात के हिसाब से रिकवरी दे रही है।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि गन्ना नही बिक रहा, मैने तो यह कहा था कि इस बार भूगर मिल्ज एक महीने लेट चलनी भुरू हुई है जिसके कारण किसानो ंको गन्ना काफी दिन तक खेत मे पड़ा रहा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी को यह भी बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के समय में किसानों का जो 21 करोड़ रूपये गन्ने का सरकार की तरफ बकाया था वह भी हमारी सरकार ने किसानों को दे दिया हैं और आज मै सदन को बताना चाहूंगा कि आज के दिन किसानों के गन्ने का एक भी पैसा सरकार की तरफ बकाया नही है। इसके अतिरिक्त हमारीसरकार ने किसानों को जीरी का भी उचित मूल्य दिया है और हम गेहूं काभी अच्छा भाव किसानो

ांके देगे। अध्यक्ष महोदय, हमने कृशि मंत्री जी की अध्यक्षता में एक ि ाश्ट मण्डल बनाकर इजराइल भेजा था, जिसमे ंहरियाणा के कुछ किसानों को भी भेजा गया था ताकि हमारे किसान वहां जाकर देख सकें कि वहां कम पानी के होते हुए भी किस तरह से ड्रिप इरीगे ान सिस्टम से अच्छी खेती की जाती है। वहां के डेरी सिस्टम को देख सकें ओर कुछ लाभ उठा सकें क्योंकि हमारा और वहां का वातावरण एक जैसा ही है। इससे पता लगता है कि हमारी सरकार किसानों की तरफ कितना ध्यान दे रही है। अध्यक्ष महोदय, यह पहली बार हो रहा है। कि विपक्ष चाह रहा हैं कि हाउस जल्दी से एडजर्न हो जाए। विपक्ष के भाईयां को जब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के लिए समय दिया जाता है तो वे बाथरूम क ाबहाना बनाकर हाउस से बाहर चले जाते है अगर विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लाये और उस पर बगैर चर्चा किए, बगैर वोटिंग कराये ही हाउस से बाहर चले जाए। ऐसा एक सरकार पूरे पांच साल चलेगी और हरियाणा प्रदे ा का विकास करेगी और सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करताहूं कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण को सर्वसम्मति से पास किया।

Mr. Speake: Question is-

“That the Address bepresented to the Governor in the following terms:-

“That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor

for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the House on the 5th March, 2001."

The motion was carried.

वर्श 2000–2001 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान

(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा

(ii) अनुपूरक अनुदानों की मांगो पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, discussion and voting on supplementary Estimates for the year 2000-2001 will take place. As per the past practice and in order to save the time of the House. The demands on the order paper (No. 1 to 7, 9, 11, 13 to 15, 17 to 18, 21, 23 & 25) will be deemed to have been read and moved together and a general discussion on the supplementary demands is permitted. The members are, however, requested to indicate the demands No. on which they wish to raise discussion.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 23,04,000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 1—Vishan Sabha.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 2—General Administration.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 42800000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 3—Home.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1082946000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 4—Revenue.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 39506000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 5—Excise and Taxation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 6—Finance.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 624915000 for revenue expenditure and Rs. 22000000 for capital expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 7—Other Administrative Service.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 676479000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of

payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 9—Education.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 443259000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 11—Urban Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 13—Social Welfare and Rehabilitant.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1349500000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 15—Irrigation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2146000 for revenue expenditure and Rs. 30000000 or capital expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 17—Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 356517000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 18—Animal Husbandry.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 802446000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 21—Community Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 29897000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 23—Transport.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 7000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 25—Loans and Advances by state Government.

(No members rose to speak)

Mr. Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 23,04,000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 1—Vidhan Sabha.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 2—General Administration.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 42800000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 3—Home.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1082946000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 4—Revenue.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 39506000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 5—Excise and Taxation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 6—Finance.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 624915000 for revenue expenditure and Rs. 22000000 for capital expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 7—Other Administrative Service.

Mr. Speaker: Question is—

The motion was carried.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 676479000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 9—Education.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 443259000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 11—Urban Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 13—Social Welfare and Rehabilitant.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1349500000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 15—Irrigation.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2146000 for revenue expenditure and Rs. 30000000 or capital expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 17—Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 356517000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 18—Animal Husbandry.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 802446000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 21—Community Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 29897000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 23—Transport.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 7000 for revenue expenditure be granted for the Governor to defray charges that will came in the course of payment for they ear ending 31st March, 2001 in respect of Demand No. 25—Loans and Advances by state Government

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House is adjourned till 2-00 P.M. on Monday, the 12th March, 2001.

16.43 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 2-00 P.M. on Monday, the 12the March, 2001.)